दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471



अमन लेखनी



मासूमियत सहेजने के जतन जरूरी

भाई-बहन के रिश्ते को प्रगाढ़ बनाता है भाई दूज

वर्ष : 12 | अंक : 312 | लखनऊ, 11 नवम्बर ,बुधवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन आज थूथुकुडी जाएंगे

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन बुधवार को तमिलनाडु के थूथुकुडी का दौरा करेंगे। इस दौरान



उपराष्ट्रपति थूथुकुडी में तमिलनाडु बकैटाइल बैंक लिमिटेड के 105वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल होंगे। वे अपने पूर्व संस्थान वीओ चिदंबरम कॉलेज के प्लैटिनम जुबली समारोह और छात्रों के मिलन कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

हैदराबाद में 13 को कांग्रेस का 'शिखर सम्मेलन'

नई दिल्ली। कांग्रेस दुनिया में तेजी से बदलते भू-राजनीतिक हालात, नई वैश्विक व्यवस्था के उभार और



भारत की रणनीतिक प्रतिक्रिया पर चर्चा के लिए कांग्रेस 13 और 14 नवंबर को हैदराबाद में 'भारत समिट' आयोजित करेगी। इसमें करीब 70 देशों के विशेषज्ञों और लगभग 1,000 प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है।

टाटा की फोन फैक्ट्री में हादसा, 3 की मौत

होसुर। तमिलनाडु के होसुर के पास टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की फैक्ट्री में बड़ा हादसा हुआ है।सोमवार शाम



वेस्टवॉटर ट्रीटमेंट टैंक की मरम्मत और रखरखाव के दौरान 3 कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों की मौत हो गई। तीनों की जान जहरीली गैस की चपेट में आने से गई है। मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट हो सकेगी।

ओवैसी ने यूसीसी को हिंदू सिविल कोड बताया

मुंबई। महाराष्ट्र में यूसीसी लागू करने की तैयारी को लेकर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन



ओवैसी ने राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया फडणवीस सरकार यूसीसी लागू करने का फैसला कर चुकी है। हिंदू अनडिवाइडेड फैमिली को लेकर एक भी सवाल नहीं है। इससे सरकार की मंशा पर सवाल उठते हैं।

दिल्ली-एनसीआर में वाहनों से बढ़ते प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

तुरंत एक्शन लें राज्य सरकारें, 2 हफ्ते में वे किए गए उपायों की पूरी डिटेल भी पेश करें

दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान को लगाई कड़ी फटकार

मामले की अगली सुनवाई 23 नवंबर को होगी



डॉ. राजकुमार सिंह चौहान
प्रधान संपादक / नई दिल्ली,

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान को बढ़ते प्रदूषण को लेकर कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने आदेश दिया कि वे उन उपायों की पूरी जानकारी दें, जो ओवर-एज और नियमों के खिलाफ चल रहे वाहनों को दिल्ली-एनसीआर में घुसने और चलने से रोकने के लिए किए गए हैं।

इस मामले में सख्ती दिखाते हुए, सर्वोच्च न्यायालय ने साफ कहा है कि वाहनों से होने वाला प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है और इस पर तुरंत एक्शन लेना बहुत जरूरी है।कोर्ट ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान की सरकारें, साथ ही म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ऑफ दिल्ली (एमसीडी) और दिल्ली पुलिस से इस पूरे मामले में जवाब मांगा है। कोर्ट ने सभी पक्षों को 2 हफ्ते के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का समय दिया है।

वाहनों पर भी चिंता जताई

चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने यह निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा है कि दिल्ली-एनसीआर में न सिर्फ स्थानीय वाहन प्रदूषण फैला रहे हैं, बल्कि पड़ोसी राज्यों से आने वाले भारी-भरकम कमर्शियल और प्राइवेट वाहन भी स्थिति को और गंभीर बना रहे हैं।

अदालत ने किए ये सवाल

- **प्रदूषण मानक और पीयूसी:** जो गाड़ियां तय प्रदूषण मानकों पर खरी नहीं उतरतीं, उनकी पहचान कैसे की जाती है और पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल सर्टिफिकेट के नियमों को कैसे लागू किया जा रहा है?
- **अब तक क्या कार्रवाई हुई:** अधिकारियों को यह बताना होगा कि नियमों तोड़ने वालों पर क्या एक्शन लिया गया? कितने वाहनों की जांच हुई, कितने चालान काटे गए, कितनों की एंट्री रोकी गई या अन्य कानूनी कार्रवाई की गई।
- **आपसी तालमेल:** इसके अलावा दिल्ली और पड़ोसी राज्य मिलकर अंतर-राज्यीय वाहनों के आने-जाने को कैसे कंट्रोल कर रहे हैं?
- **सीएक्यूएम और न्यायमित्र के सुझाव:** कमिशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) और कोर्ट के न्यायमित्र द्वारा दिए गए सुझावों पर इन राज्यों की क्या राय है और वे इसके अलावा क्या कदम उठाएंगे।

पराली जली कम, पर गाड़ियों का धुआं बढ़ा

गौरतलब है कि यह मामला 6 नवंबर को दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण से जुड़े एक स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई के दौरान सामने आया। कोर्ट ने माना कि दिल्ली, यूपी, हरियाणा और पंजाब/राज्यों में पराली जलाने की घटनाओं में काफी कमी आई है, जो कि एक राहत की बात है। इसके साथ ही कोर्ट ने चिंता जताई कि जैसे-जैसे पराली के मामले घटे हैं, वैसे-वैसे गाड़ियों के धुएं से होने वाला प्रदूषण तेजी से बढ़ गया है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 23 नवंबर को होगी।

डिजिटल अरेस्ट के नाम पर होने वाली ठगी पर कहा

रोकने के कदमों की जानकारी दें डिजिटल प्लेटफॉर्म

उच्चतम न्यायालय ने वाट्सएप और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म चलाने वाली कंपनियों से कहा है कि वे देश में डिजिटल अरेस्ट के नाम पर होने वाली ठगी और उससे जुड़े साइबर अपराधों को रोकने के लिए उठाए जाने वाले कदमों की जानकारी दें। 29 अक्टूबर को हुई सुनवाई में संबंधित आदेश में न्यायालय को वेबसाइट पर अपलोड की गई जानकारी के अनुसार प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और अधिवक्ता वाली पीठ ने वाट्सएप और अन्य संबंधित कंपनियों को अपने प्रस्ताव मसलन साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आईसी4सी) को भी एक साथ सौंपने का निर्देश दिया। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल थे। कोर्ट ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 23 नवंबर की तारीख तय की है। वाट्सएप की ओर से पेश



वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने पीठ को बताया था कि प्लेटफॉर्म ने बचाव के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें 9,400 अकाउंट के खिलाफ कार्रवाई भी शामिल है। उन्होंने कहा था कि कंपनी अब तक उठाए गए कदमों की जानकारी देते हुए हलफनामा दाखिल करेगी। उन्होंने बताया था कि प्लेटफॉर्म एक ऐसे सॉफ्टवेयर पर काम कर रहा है, जो संदिग्ध अकाउंट की पहचान करके उपयोगकर्ताओं को सतर्क करेगा।

खरगे ने कसा तंज

वायु प्रदूषण में हम 'विश्वगुरु' क्यों बन रहे?

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण के बीच मंगलवार को केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि वायु प्रदूषण के मामले में दिल्ली 'विश्वगुरु' क्यों बनती जा रही है और क्या प्रधानमंत्री मोदी देश को 'रत्न का हिसाब' देने का साहस दिखाएंगे? दिल्ली में दीपावली के बाद प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। पड़ोसी राज्यों में पराली जलाए जाने को भी इसकी एक प्रमुख वजह माना जा रहा है।



सोनिया की किताब पर सवाल

केवल मुसलमानों के वोट के लिए वे बहाती रहीं आंसू: गिरिराज

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के संस्मरण ने उनका यह असली चेहरा सामने ला दिया कि उनके आंसू सिर्फ मुसलमानों के वोट के लिए बहते हैं,लेकिन



ज ब पाकिस्तानी आतंकवादी भा र ती यों की हत्या करते हैं और नक्सली 'सनातनियों का नरसंहार' करते हैं, तब उनके आंसू सूख जाते हैं। सिंह ने गांधी के संस्मरण में की गई इस टिप्पणी के लिए भी उन पर निशाना साधा कि प्रधानमंत्री जब भी उनके सामने आते हैं, तो अक्सर नजरें फेर लेते हैं। सिंह ने कहा कि वे कितने लोगों से नजरें मिलाएंगे? वे अपने दुश्मनों से सीधे उनकी आंखों में देखकर बात करते हैं। वे पाकिस्तान और देश के दुश्मनों की आंखों में आंखें डालकर बात करते हैं। उनके आंसू वोट और मुसलमानों के लिए बहते हैं।



विहिप ने 'हिंदू विरोधी' पर की माफी की मांग

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने जोधपुर शहर पर हिंदू मंदिरों को अहंता करने और तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए, उनसे माफी मांगने की मांग की। विहिप के केंद्रीय संयुक्त महासचिव सुरेंद्र जैन ने आरोप लगाया कि वे मुस्लिम वोट बैंक को रिझाने के लिए कुछ जगहों का विध्वंस कर रही हैं और मंदिरों के आंसू तथा खुलेआम के अपमान के आंसू बहा रही हैं।

क्या महत्वाकांक्षी होना अपराध है?



पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी और लेखिका शर्मिष्ठा मुखर्जी ने अपने पिता को प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा को लेकर सोनिया गांधी के दावों पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने साफ कहा है कि राजनीति में शीर्ष पद की इच्छा रखना कोई गुनाह नहीं है, खासकर तब जब उसके पीछे दशकों का लंबा अनुभव और अकाट्य कार्यक्षमता हो।

पटाखे चलाने को लेकर विवाद

राष्ट्रपति के अंगरक्षक को मारी सिर में गोली, भर्ती

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

दिवाली की रात हादसों की भी रात थी। यूपी के बागपत में पटाखे जलाने को लेकर हुए विवाद में कुछ लोगों ने राष्ट्रपति के अंगरक्षक को सिर में गोली मार दी। घायल अवस्था में पीड़ित को मेरठ के एक अस्पताल में रेफर कर दिया गया। वे आईसीयू में भर्ती हैं।

बच्चे की आंखें झुलसीं

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में उल्हासनगर के तोलियानी आवासीय सोसाइटी के बाहर बच्चों के



पटाखे फोड़ने को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद हिंसक हो गया और इस दौरान 3 लोगों ने एक व्यक्ति से गाली-गलौज की और कथित तौर पर उसकी पिटाई कर दी। मामला दर्ज हो गया है। वहीं अल्टर सेक्टर के एलईडी बाजार क्षेत्र के एलईडी वेयर हाउस में मंगलवार सुबह पटाखे के बारूद में अचानक विस्फोट होने से 5वीं कक्षा में पढ़ने वाला 12 वर्षीय बच्चा अंबेर उम्र से घायल हो गया। हादसे में उसकी दोनों आंखें बुरी तरह झुलस गईं।

केरल में कार्यक्रम भाजपा ने घेरा

स्वास्थ्य मंत्री 'वंदे मातरम' पूरा होने से पहले ही कुर्सी पर बैठ गए

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केरलम में मंत्री आधिकारिक कार्यक्रम में 'वंदे मातरम' पूरा होने से पहले ही अपनी कुर्सी पर बैठ गए, जिससे विवाद खड़ा हो गया है। केरलम के स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन ने कासरगोड में एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान, राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के पूरा होने से पहले ही अपनी सीट पर वापस बैठ गए। यह घटना जिले के मुलेरिया फैमिली हेल्थ सेंटर में एक प्रयोगशाला के उद्घाटन के दौरान हुई।



सांसद और जिला कलेक्टर भी लौटे सीट पर

इस कार्यक्रम से उच्चाधिकार समाहित अतिरिक्त कलेक्टर श्रीकला सुरेश भी मौजूद थीं। वे तीनों भी वंदे मातरम का गायन पूरा होने से पहले ही अपनी सीटों पर लौट आए।

क्या है पूरा मामला?

जब 'वंदे मातरम' बजना शुरू हुआ, तो मंत्री के. मुरलीधरन, सांसद राजमोहन उन्नीथान, विधायक के. माहीन और कलेक्टर, गीत के पहले दो पद गाए जाने के बाद अपनी सीट पर बैठ गए। अन्य नेता, जिनमें विधायक के. नीलकंदन और डीसीसी अध्यक्ष पी.के. फैसल शामिल थे, पूरा गीत खत्म होने तक खड़े रहे। इस घटना को लेकर इनकी आलोचना की है। मंत्री ने पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें देशभक्ति का पाठ पढ़ाने की जरूरत नहीं है।

गोवर्धन पूजा



जयपुर। मंगलवार को राजस्थान के जयपुर में बीएपीएस श्री स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर में 'गोवर्धन पूजा' के दौरान लोग गाय को खाना खिलाते हुए।

एनसीपी विलय की अटकलों पर बोले सीएम फडणवीस

इस मामले में अटकले गरम

हमारे बिना नहीं हो सकता दोनों गुटों का मर्जर, किसी ने कुछ नहीं बताया

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि केवल एनसीपी नेता शरद पवार और सुनेत्रा पवार ही यह स्पष्ट कर सकते हैं कि नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुट आपस में विलय करेंगे या नहीं।



मुंबई में अपने आधिकारिक आवास 'वर्षा' पर डाली मिलन समारोह के दौरान पत्रकारों से बातचीत में फडणवीस ने कहा, अगर शरद पवार और सुनेत्रा पवार विलय करने का फैसला करते हैं, तो वे खुद आकर हमें बताएंगे, क्योंकि हमारी सहमति के बिना विलय नहीं हो सकता। अभी तक उनमें से किसी ने भी हमें कुछ नहीं बताया है। वह बयान ऐसे समय में आया कि जब एनसीपी के दोनों गुटों के फिर से एक होने की अटकलें तेज हो गई हैं। हाल ही में, सुनेत्रा पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के कई नेताओं ने एनसीपी प्रमुख शरद पवार से मुलाकात की थी। सीने में संक्रमण के कारण शरद पवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

पार्थ ने तुरंत मर्जर से किया इनकार

पार्थ पवार और शरद पवार के बीच लगातार हो रही मुलाकातों के बाद महाराष्ट्र में एनसीपी के दोनों गुटों के मर्जर को लेकर कहीं अटकलें तेज हो गई। लेकिन



अजीत गुट के पार्थ खेमे ने तुरंत मर्जर से साफ इनकार कर दिया है। पार्थ के करीबी सूत्रों के हवाले से बताया कि फिलहाल वे शरद पवार को तीसरी बार वाली एनसीपी के साथ मर्जर करने को तैयार नहीं हैं।

4 किमी में क्रूज और फेरी सेवाएं शुरू, मंत्री सोनोवाल और रेखा रहे मौजूद

यमुना में करें क्रूज, म्यूजिकल फाउंटेन और फूड कोर्ट की सैर

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

दिल्लीवासियों को अब यमुना में क्रूज और नौका विहार का आनंद लेने के लिए दूसरे शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

■ अब दिल्ली में ही गोवा सा आनंद

केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और मंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को सोनिया विहार में 'नमो यमुना रिवर क्रूज सेवा' का शुभारंभ किया। राजधानी में नदी आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने की नई पहल शुरू हो गई है। परियोजना के तहत सोनिया विहार से जगतपुर तक करीब 4 किलोमीटर के क्षेत्र में क्रूज और फेरी सेवाएं विकसित की गई हैं।



दिल्ली के पर्यटन को पहचान मिली

गुप्ता ने कहा कि जमे जमुना रिवर सफारी केवल क्रूज या नौका सेवा नहीं, बल्कि मां जमुना के प्रति आस्था, प्रेम और समर्पण का प्रतीक है। इससे दिल्लीवासी नदी के प्राकृतिक परिवेश को करीब से महसूस कर सकेंगे। उन्होंने परिवार के साथ यहां आने और बच्चों को यमुना के प्राकृतिक वातावरण से परिचित कराने की अपील की। गुप्ता ने कहा कि यह पहल दिल्ली के पर्यटन को नई पहचान देने के साथ राजधानी की सकारात्मक छवि मजबूत करेगी।

एक जुलाई से 30 सितंबर तक बंद रहेगी सेवा

परियोजना के तहत फिलहाल 30 यात्रियों की क्षमता वाला एक इलेक्ट्रिक क्रूज संचालित किया जा रहा है। इसी क्षमता का दूसरा क्रूज फरवरी-मार्च 2027 तक शुरू करने की योजना है। पूरे चरण में करीब 35 से 45 मिनट लगेंगे। पर्यटक निर्धारित मार्ग पर नौका विहार के बाद शुरुआती स्थान पर लौट सकेंगे।

परिवार के मनोरंजन के लिए भी होंगी सुविधाएं

पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि रिवर सफारी दिल्ली में पर्यटन का नया अध्याय लिखेगी। यहां म्यूजिकल फाउंटेन के जरिए मनमोहन श्रीकृष्ण की लीला और यमुना की महिमा प्रस्तुत की जाएगी। बच्चों के लिए प्ले जोन, गेमिंग गतिविधियां, डिस्टिंक्टिव जोन और फूड कोर्ट भी विकसित किए गए हैं। यमुना किनारे इकोलॉजिकल ट्रेल्स और साइकिल ट्रेल्स बनाए गए हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए तटवर्ती टर्मिनल, दो पोंटिक जेट्टी, टिकट काउंटर, प्रतीक्षालय, पार्किंग और व्यावसायिक बुकाने बनाई गई हैं।

ट्रैक्टर की टक्कर से घायल बाइक सवार युवक ने 24 दिन बाद तोड़ा दम

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। माल-अतरौली मार्ग पर अटारी पेट्रोल पंप के सामने ट्रैक्टर की टक्कर से गंभीर रूप से घायल बाइक सवार युवक की सोमवार रात इलाज के दौरान मौत हो गई। करीब 24 दिनों तक जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष करने के बाद युवक ने दम तोड़ दिया। उसकी मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के रंडा खेड़ा गांव निवासी विपिन (22) खेती-किसानी में अपने पिता का हाथ बंटाता था। बीती 17 अक्टूबर को वह अपने चचेरे भाई लवकुश (19) के साथ माल क्षेत्र के बीरपुर गांव में अपने बहनोई श्यामू के घर छत की स्लैब डलवाने गया था। शाम करीब चार बजे दोनों बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान अटारी पेट्रोल पंप के सामने डीजल भरवाने के बाद


मृतक विपिन फाइल फोटो

एक ट्रैक्टर अचानक सड़क पर आ गया। सामने ट्रैक्टर देखकर बाइक चला रहे विपिन ने ब्रेक लगाया, लेकिन बाइक अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर से टकरा गई। हादसे में विपिन और उसका चचेरा भाई लवकुश गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र माल ले गई, जहां प्राथमिक उपचार के बाद विपिन की हालत गंभीर देखते हुए उसे ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। हालांकि, परिजन उसे दुबग्गा स्थित निजी अस्पताल देवम ले गए, जहां सोमवार रात उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। विपिन की मौत से पिता श्रीपाल, मां बिटाना, भाई सचिन और बहन सुमन का रो-रोकर बुरा हाल है। माल इंस्पेक्टर नवाब अहमद ने बताया कि हादसे के बाद मृतक की मां की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया था। दुर्घटना में शामिल ट्रैक्टर को पुलिस ने कब्जे में ले लिया था।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से किसान की मौत

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। बकरियों के लिए गांव के बाहर पत्ता लेने गया एक किसान करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। आसपास ग्रामीणों ने इसकी सूचना परिजनों को दी परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पेड़ से उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। माल थाना क्षेत्र के थावर निवासी सुरेश उर्फ लालू रैदास (45) मंगलवार सुबह 8 बजे गांव के किनारे मखोले के खेत में गूलर के पेड़ से बकरियों को खिलाने के लिए हरे पत्ते लेने गए थे। तभी वह पेड़ पर चढ़कर पत्तों से लदी एक डाल काट रहे थे। अचानक डाल काटते समय वह डाल पास से गुजरी 11 हजार हाई टेंशन लाइन पर जा पहुंची जिससे वह करंट की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई और वहीं पेड़ की डाल से शव फंस आसपास ग्रामीणों ने देखा कि किसान का शव पेड़ से लटक रहा


मृतक सुरेश फाइल फोटो

है। जिसकी सूचना उन्होंने परिजनों को दी। परिजनों ने पुलिस को सूचना देकर मौके पर पहुंचे। बिजली सप्लाई बंद कराकर शव को पेड़ से उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक खेती किसानी कर अपना और अपने परिवार का भरण पोषण करता था। मृतक के परिवार में मां कंचना, पत्नी उर्मिला, बड़ी बेटी नेहा, दो बेटे प्रियांशु और हिमांशु हैं, जिनका रो रो कर बुरा हाल है।

फर्जी रेलवे पहचान पत्र और वेतन पर्ची लगाकर बैंक से लिया 15 लाख का लोन, आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। फर्जी एवं कूटरचित रेलवे पहचान पत्र, वेतन पर्ची और फार्म-16 समेत अन्य दस्तावेज लगाकर बैंक से 15 लाख रुपये का व्यक्तिगत ऋण लेने के मामले में मलिहाबाद पुलिस ने एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान माल थाना क्षेत्र के बाजार गांव (पकरा) निवासी रामपाल (55) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, बैंक ऑफ इंडिया की ढेढ़ेमऊ शाखा के प्रबंधक सुधेन्दु रंजन तिवारी की ओर से न्यायालय के आदेश पर दर्ज कराए गए मुकदमे में बताया गया कि 12 अगस्त 2024 को रामपाल को 15 लाख रुपये का व्यक्तिगत ऋण स्वीकृत किया गया था। ऋण के लिए रामपाल और उसके गारंटर रघुवीर कमला ने आधार कार्ड, पैन कार्ड, उत्तर रेलवे का पहचान पत्र, वेतन पर्ची और फार्म-16 सहित कई दस्तावेज जमा किए थे।



बैंक की ओर से अधिकृत एजेंसी की सत्यापन रिपोर्ट सकारात्मक मिलने के बाद ऋण स्वीकृत कर दिया गया। बाद में बैंक स्तर पर दस्तावेजों की जांच कराई गई तो रेलवे के पहचान पत्र और नौकरी से संबंधित अभिलेख फर्जी एवं कूटरचित पाए गए। उत्तर रेलवे में रामपाल और उसके गारंटर के कर्मचारी होने की पुष्टि भी नहीं हुई। आरोप है कि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बैंक से 15 लाख रुपये का ऋण लेकर आर्थिक धोखाधड़ी की गई। मलिहाबाद थाने में इस मामले में विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई थी। मंगलवार को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि वांछित रामपाल अपने गांव आया हुआ है और लखनऊ जाने के लिए बाजार गांव (पकरा) तिराहे पर वाहन का इंतजार कर रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में रामपाल ने बताया कि वह रेलवे विभाग में नौकरी नहीं करता है। उसके नाम से रेलवे का पहचान पत्र, वेतन पर्ची और अन्य दस्तावेज किस प्रकार तैयार कराए गए, इस संबंध में पुलिस जांच कर रही है। आरोपी ने यह भी बताया कि ऋण की रकम उसके एसबीआई खाते में आने के बाद अलग-अलग किस्तों में पूरी धनराशि निकालकर खर्च कर दी गई। पुलिस के अनुसार, मामले में नामजद अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

पांच दिन से लापता युवक का पेड़ से लटका मिला शव, हत्या का आरोप

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मलिहाबाद थाना क्षेत्र के सिरगामऊ गांव में पांच दिन से लापता 40 वर्षीय नरेंद्र उर्फ छोटक्के का शव रविवार दोपहर गांव से करीब एक किलोमीटर दूर आम के बाग में पेड़ से गमछे के सहारे लटका मिला। शव मिलने की खबर से गांव में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों के मुताबिक, नरेंद्र पांच दिन पहले घर से निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। काफी तलाश के बाद भी उनका कोई सुराग नहीं लगा था। इस संबंध में उनकी पत्नी पुष्पा ने विमलेश के खिलाफ पहले ही थाने में तहरीर दी थी। रविवार को बाग की ओर गए ग्रामीणों ने पेड़ से लटका शव देखा तो पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान कराई। सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। देर शाम गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया। पति की मौत से पत्नी पुष्पा,


मृतक नरेंद्र पाल फोटो

बेटा नैतिक और बेटी मानवी का रो-रोकर बुरा हाल है। पत्नी ने हत्या कर शव को पेड़ से लटकाए जाने का आरोप लगाते हुए नामजद तहरीर दी है। ग्रामीणों के अनुसार, जमीन की बिक्री और दाखिल-खारिज को लेकर विवाद चल रहा था। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

खेत में पेड़ के नीचे मिला राजमिस्त्री का शव, हत्या की आशंका

पत्नी ने पांच लोगों पर लगाया हत्या का आरोप, 27 अगस्त को हुआ था विवाद; फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के संत नगर गांव में सोमवार शाम घर से बीड़ी लेने निकले राजमिस्त्री का शव मंगलवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में खेत में पड़ा मिला। शव के गले में उसकी ही आधी पैंट फंसी हुई थी, जबकि पैंट का दूसरा हिस्सा पेड़ से लटक रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए पड़ोस के पांच लोगों पर आरोप लगाया है। संत नगर निवासी सुभाष चंद्र (43) सोमवार शाम घर से बीड़ी लेने के लिए निकले थे। देर रात तक घर नहीं लौटे तो परिजनों ने उनकी काफी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। मंगलवार सुबह करीब छह बजे पड़ोसी संतराम की पत्नी ने परिजनों को सूचना दी कि सुभाष का शव प्रकाश के खेत में पेड़ के नीचे पड़ा है। मौके पर पहुंचे परिजनों ने शव की हालत देखकर हत्या की आशंका जताई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फॉरेंसिक


मृतक सुभाष चंद्र फाइल – फोटो

टीम के साथ घटनास्थल की जांच की। पुलिस को मृतक की जेब से 300 रुपये, सादे कागज पर लिखा एक मोबाइल नंबर, मसाले की दो पुड़िया, बीड़ी का बंडल और माचिस मिली। इसके अलावा गांजे जैसी दिखने वाली पत्ती भी बरामद हुई। मृतक का मोबाइल फोन मौके से गायब था। पुलिस ने सभी साक्ष्य जुटाकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पत्नी सुमन ने पड़ोसी कुलदीप, राममिलन, रंजीत, आकाश और मीरा


रोते बिलखते परिजन

पर हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि बीते 27 अगस्त को भैंस बांधने को लेकर आरोपियों से विवाद हुआ था। इस दौरान सुभाष को लाठी-डंडों और लात-घूंसों से पीटा गया था, जिससे उनकी तीन पसलियां भी टूट गई थीं। उनका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। पत्नी का आरोप है कि इसके बाद भी आरोपी परिवार को लगातार परेशान करते थे और मारपीट की धमकी देते थे। पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच सुलह-समझौता कराया था, लेकिन विवाद खत्म नहीं हुआ। सुमन ने पुलिस पर भी पहले शिकायत के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया है। सुभाष चंद्र राजमिस्त्री का काम कर परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनके परिवार में माता शांति, पिता भिखा, तीन भाई सुरेश, राजेंद्र और आनंद, पत्नी सुमन, बेटा मनदीप (15) और दो बेटियां कामिनी (15) व प्राची (12) हैं। घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा है। रहीमाबाद इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक ने बताया कि फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए गए हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

पशु बाजार के पास पड़ा मिला मजदूर का शव

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। माल थाना क्षेत्र के बरगदिया चौराहे के पास मंगलवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब पशु बाजार के सामने सड़क किनारे लकड़ी के तख्त पर एक 22 वर्षीय युवक का शव पड़ा मिला। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस के मुताबिक, हरदोई जिले के अतरौली थाना क्षेत्र के गोडवा खेम गांव निवासी शंकर उर्फ छोटू (22) सोमवार शाम करीब चार बजे घर से बिना बताए निकल गया था। देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। मंगलवार सुबह करीब 10 बजे उसका शव माल थाना क्षेत्र के बरगदिया चौराहे स्थित पशु बाजार के सामने सड़क किनारे लकड़ी के तख्त पर पड़ा मिला। राहगीरों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल के बाद उसकी पहचान शंकर के रूप में की। बताया गया कि शंकर इधर-उधर


मृतक शंकर फाइल फोटो

मजदूरी कर परिवार का जीवनयापन करने में सहयोग करता था।

वह अक्सर घर से बाहर रहता था और कभी-कभार ही गांव आता था। परिवार में पिता मंगू, मां कविता, भाई अरविंद और दो विवाहित बहनें हैं। माल इंस्पेक्टर नवाब अहमद ने बताया कि युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। उसके पास से कोई सामान बरामद नहीं हुआ है। मौत के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

बंथरा के अमावां जंगल में बोरी में बंद मिला सड़ा-गला शव, हत्या की आशंका

नारायणपुर रोड पर पुलिया के नीचे बोरे में मिला शव, हत्या का शक

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक युवक का हत्या कर फेंका गया शव मिलने से हड़कम्प मच गया। थाना क्षेत्र के नारायणपुर-फतेहगंज रोड से सहिजनपुर जाने वाले कच्चे रास्ते पर करीब डेढ़ सौ मीटर दूर अमावां जंगल में पुलिया के नीचे बोरी में बंद मिले सड़े-गले शव की जानकारी होते ही लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। जाँच पड़ताल के दौरान पुलिस ने उसकी उम्र 28 से 30 वर्ष बताई। उसका मुंह काले कपड़े से बंधा हुआ था। पुलिस ने उसकी पहचान कराने की कोशिश की, लेकिन शिनाख्त नहीं हुई। जिसके बाद हत्या कर शव फेंके जाने को लेकर जांच शुरू कर दी। लेकिन बाद में मृतक के भतीजे ने पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर उसकी पहचान की। बताते हैं कि मंगलवार सुबह पुलिया के आसपास से गुजर रहे लोगों को तेज दुर्गंध महसूस हुई तो उन्होंने अमावां गांव निवासी बीडीसी संतोष को बताया। इसके बाद संतोष ने सुबह करीब 9:30 बजे डायल 112 पर इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने बोरी बाहर निकलवाई, जिसमें युवक के पैर दिखाई दे रहे थे। इसके बाद बंथरा पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची बंथरा पुलिस ने बोरी खुलवाकर जांच की तो उसमें लाल रंग की शर्ट और काले रंग का लोअर पहने युवक का शव मिला। शव बुरी तरह सड़ चुका था, जिससे उसकी पहचान नहीं हो सकी। पुलिस के मुताबिक शव करीब तीन से चार दिन पुराना लग रहा। बाद में पुलिस ने फोरेंसिक टीम को सूचना दी। सूचना पर फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। इस दौरान मृतक की जेब से सौ रुपये का एक नोट, तंबाकू की पुड़िया और कागज पर लिखे कुछ मोबाइल नंबर मिले। पुलिस ने इन नंबरों के जरिए मृतक की पहचान कराने की कोशिश की, लेकिन उसकी पहचान नहीं हो



सकी। वहीं घटना की जानकारी पर डीसीपी दक्षिणी मोहम्मद मुस्ताक भी घटनास्थल पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ फॉरेंसिक टीम से जांच की जानकारी ली। बाद में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और उसकी पहचान कराने के प्रयास शुरू कर दिए। इसी बीच मृतक की जेब से मिले मोबाइल नंबरों पर पुलिसद्वारा संपर्क करने पर काकोरी के इब्राहिम गंज निवासी राजीव उर्फ राजू रावत ने पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर मृतक की पहचान अपने चाचा सुखमी लाल (43) के रूप में की।

पुलिस के मुताबिक काकोरी स्थित इब्राहिम गंज का रहने वाला मृतक सुखमी लाल रावत (43) मजदूरी करता था। भतीजे राजीव ने बताया कि उसके चाचा सुखमी लाल करीब ढाई माह पहले काकोरी के नरौना के पास रामपुर में रहने वाली अपनी बहन के यहां जाने की बात कह कर घर से निकला था। लेकिन वहां नहीं गया, बल्कि अपने छोटे भाई श्रवण के पास पंजाब के लुधियाना में मजदूरी करने चला गया था। जहां पर त्यौहार के चलते 8 दिन पहले भाई श्रवण ने लखनऊ जाने के लिए ट्रेन पर बैठा दिया था। लेकिन सुखमी लाल लखनऊ ना आकर अपने दोस्तों से मिलने के लिए दिल्ली चला गया। जहां से 4 नवंबर को दिल्ली में दोस्तों ने उसे लखनऊ स्थित घर जाने के लिए ट्रेन पर बिठा दिया था। मगर वह घर नहीं पहुंचा।

वहीं मंगलवार सुबह बंथरा स्थित अमावा जंगल में बोरे में मिले शव में पुलिस ने जब जामा तलाशी ने मिले कागज पर लिखे मोबाइल नंबर के आधार पर दोस्तों एवं घर वालों के नंबर पर जब पुलिस ने फोन किया तो उनके भतीजे राजीव ने फोन पिक किया तो उसे पुलिस ने घटना की जानकारी दी। उसके बाद राजीव ने पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर बोरे में मिले शव की पहचान अपने चाचा सुखमी लाल के रूप में की।

इस मामले में राजीव ने बताया कि उसके घर से कुछ दूर ही रहने वाला युवक अपने परिवार सहित यहां रहता था। करीब 7 साल पहले वह युवक सुखमी लाल की पत्नी चांदनी और उसके दो बच्चों नितेश व रिया को अपने साथ काकोरी स्थित बेहटा खुरमपुर ले जाकर रहने लगा। जबकि युवक के मां-बाप व परिवार के अन्य लोग वहीं इब्राहिम गंज में ही रहते हैं। इस मामले में भतीजे राजीव ने चांदनी पर युवक के साथ मिलकर चाचा की हत्या की आशंका जाहिर करते हुए जांच की मांग की है।

थावर गांव में धूमधाम से मनाई गई गोवर्धन पूजा, श्रद्धालुओं ने की सुख-समृद्धि की कामना

अन्नकूट का भोग लगाकर श्रद्धालुओं ने की पूजा-अर्चना, गांव में दिनभर रहा भक्ति और उल्लास का माहौल

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। माल क्षेत्र के थावर गांव में मंगलवार को गोवर्धन पूजा का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सुबह से ही गोवर्धन पर्वत की पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया। देखते ही देखते पूजा स्थल पर महिला, पुरुष और बच्चों की भारी भीड़ जुट गई। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से गोवर्धन भगवान की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगलमय जीवन की कामना की। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण ने इंद्र के प्रकोप से ब्रजवासियों की रक्षा के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी अंगुली पर धारण



किया था। इसी पौराणिक प्रसंग की स्मृति में प्रतिवर्ष गोवर्धन पूजा का पर्व मनाया जाता है। इसी परंपरा को निभाते हुए थावर गांव में भी श्रद्धालुओं ने गोवर्धन भगवान के समक्ष माथा टेककर पूजा-अर्चना की और श्रद्धापूर्वक परिक्रमा की। पूजा के दौरान गोवर्धन भगवान को अन्नकूट का भोग अर्पित किया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पूजा की, वहीं बच्चों और युवाओं में भी पर्व को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। पूरे आयोजन के दौरान पूजा स्थल भजन-कीर्तन और जयकारों से भक्तिमय बना रहा। इस मौके पर ग्राम पंचायत प्रधान/प्रशासक माधुरी सिंह, पूर्व प्रधान अतुल कुमार सिंह, अभिषेक गुप्ता, सुजीत शर्मा, उज्ज्वल शर्मा, कारण मौर्य, सचिन मौर्य, सौरभ गोस्वामी, आकाश सैनी, महेंद्र मौर्य, गौरव गोस्वामी, अर्पित शर्मा सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

बिजनौर पुलिस को मिली सफलता, छुहाराखेड़ा पुलिया से युवक तमंचा-कारतूस के साथ गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर पुलिस ने सोमवार रात शहीद पथ सर्विस लेन पर छुहाराखेड़ा जाने वाली पुलिया के पास से एक युवक को अवैध तमंचा और दो जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 12 बोर का तमंचा, दो कारतूस और जामा तलाशी में 213 रुपये बरामद किए हैं।

पुलिस के मुताबिक 9 नवंबर 2026 सोमवार को बिजनौर थाने के उपनिरीक्षक अभिराम शुक्ला हमराह पुलिसकर्मियों के साथ क्षेत्र में गश्त और लंबित विवेचनाओं के निस्तारण के लिए निकले थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि छुहाराखेड़ा जाने वाली पुलिया के पास एक संदिग्ध



व्यक्ति खड़ा है, जिसके पास अवैध हथियार हो सकता है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और रात करीब 9:35 बजे संदिग्ध युवक को पकड़ लिया। पुलिस ने बताया कि तलाशी लेने पर उसकी पैंट की दाहिनी फेंट से एक 12 बोर का तमंचा और बाईं जेब से दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम बाराबंकी जिले के लोनी कटरा थाना अंतर्गत शिवनाम गाँव निवासी रोहित कुमार पुत्र ओमप्रकाश बताया। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्जकर उसे जेल भेज दिया है।

एक्सयूवी कार ने , बाइक सवार को मारी टक्कर, मौत

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में सोमवार को तेज रफ्तार महिन्द्रा एक्सयूवी-700 की टक्कर से हुई बाइक सवार युवक की मौत मामले में उसके बड़े भाई ने कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। बताते चलें कि उन्नाव जिले के हसनगंज थाना अंतर्गत नई सराय स्थित निमादपुर निवासी मोहनलाल (43) सोमवार दोपहर बाइक से उन्नाव के सोहरामऊ स्थित फ्लिपकार्ट में ड्यूटी जा रहा था। वह फ्लिपकार्ट में लोडर चलाने का काम करता था। दोपहर को ड्यूटी जाते समय बंथरा के बनी - मोहान रोड पर कन्नी खेड़ा स्थित जिओ पेट्रोल पंप के पास तेज रफ्तार महिंद्र एक्सयूवी -700 ने उसकी बाइक में ठोकर मार दी थी ।जिससे उसकी मौत हो गई थी। इस मामले में मृतक मोहनलाल के बड़े भाई रामविलास ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि मोहनलाल को बाइक से ड्यूटी जाते समय कन्नीखेड़ा स्थित जियो पेट्रोल पंप से थोड़ा आगे सामने से आ रही काले रंग की एक्सयूवी-700 (यूपी32आरएम6465) के चालक ने तेज रफ्तार और लापरवाही से गलत दिशा में आकर बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे मोहनलाल की मौके पर ही मौत हो गई। फिलहाल रामविलास की तहरीर पर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर वाहन नंबर के आधार पर चालक की तलाश कर रही है।

एट पुलिस की छापेमारी में जुआ खेलते छह आरोपी गिरफ्तार, 1.17 लाख रुपये बरामद

पचोखरा गांव में चल रहा था जुए का फड़, 52 ताश के पत्ते भी पुलिस ने किए बरामद

अमन लेखनी समाचार

उरई (जालौन)। जनपद में जुआ और सट्टे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत एट पुलिस ने ग्राम पचोखरा में छापेमारी कर जुआ खेलते छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से कुल 1 लाख 17 हजार 100 रुपये नकद और 52 ताश के पत्ते बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक सुरेश चन्द्र रावत के पर्यवेक्षण एवं अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी के नेतृत्व में चलाए जा रहे अभियान के दौरान एट पुलिस को मुखबिर से ग्राम पचोखरा में जुआ खेले जाने की सूचना



मिली थी। सूचना पर थानाध्यक्ष शिवशंकर सिंह ने पुलिस टीम के साथ मौके पर दबिश दी और जुआ खेल रहे छह लोगों को पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक मौके से जुए के फड़ पर रखे 86 हजार 500 रुपये तथा आरोपियों की तलाशी के दौरान 30 हजार 600 रुपये बरामद किए गए। पुलिस ने कुल 1 लाख 17 हजार 100 रुपये और 52 ताश के पत्तों को कब्जे में ले लिया। गिरफ्तार आरोपियों में नितिन कुमार निवासी जखौली, नितेश कुमार निवासी कोटरा मोड़ एट, अनमोल निवासी पचोखरा, रामजी निवासी जखौली, रामराजा निवासी पचोखरा और भानूप्रताप निवासी पचोखरा शामिल हैं। पुलिस ने सभी छह आरोपियों के खिलाफ थाना एट में मुकदमा अपराध संख्या 179/2026 के तहत सार्वजनिक जुआ अधिनियम की धारा 3/4 में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। छापेमारी की कार्रवाई थानाध्यक्ष शिवशंकर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा की गई।

संक्षेप

दो पक्षों में मारपीट 5 लोग घायल, एक की हालत गंभीर

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अचलगंज थाना क्षेत्र के पडरी कला नेवरना गांव में सोमवार रात पड़ोसियों के बीच हुए विवाद में 5 लोग घायल हो गए।एक पक्ष के 5 से 6 लोगों पर लाठी-डंडों और धारदार हथियार से हमला करने का आरोप है। गंभीर रूप से घायल एक युवक को कानपुर हैलट अस्पताल रेफर किया गया है।जानकारी के अनुसार सोमवार रात करीब साढ़े 10 बजे पड़ोसियों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर हमला बोल दिया। इस मारपीट में मोहित, खुशी, राजू, लवकुश और सुमेर घायल हो गए।शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। परिजन रात करीब 12 बजे घायलों को अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया, लेकिन राजू की हालत गंभीर होने पर उसे रात करीब डेढ़ बजे कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया।अचलगंज थानाध्यक्ष सुब्रत नारायण ने बताया कि मामले की जानकारी जुटाई जा रही है।तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।घटना के बाद गांव में दोनों पक्षों के बीच तनाव बना हुआ है।

नशे में धुत युवकों ने हनुमान मंदिर की मूर्ति की खंडित, गांव में भड़का आक्रोश

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के चांदपुर झलिहई गांव के बाहर स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में सोमवार रात नशे में धुत तीन युवकों ने हनुमान जी की मूर्ति खंडित कर दी। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में आक्रोश फैल गया।सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मंदिर परिसर में एकत्र हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाकर शांत कराया।जिसके बाद कानपुर से नई मूर्ति मंगवाकर विधि-विधान से स्थापित कराई गई,तब जाकर ग्रामीणों का गुस्सा शांत हुआ।चांदपुर झलिहई गांव के बाहर काफी पुराना हनुमान मंदिर स्थित है। सोमवार शाम गांव के रामनरेश, सुंदर और अजीत नशे की हालत में मंदिर पहुंचे। आरोप है कि तीनों ने हनुमान जी की मूर्ति खंडित कर दी और मंदिर परिसर में नशेबाजी करने लगे।इसकी जानकारी गांव में पहुंचते ही सैकड़ों ग्रामीण मौके पर जुट गए। देखते ही देखते विवाद की स्थिति बन गई।आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी।मौके पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी हसनगंज तेज बहादुर और कोतवाली प्रभारी सुरेश सिंह ने ग्रामीणों को समझाकर शांत कराया। इसके बाद पुलिस ने देर रात कानपुर से नई मूर्ति मंगवाई और विधि-विधान से स्थापित कराई।कोतवाली प्रभारी सुरेश सिंह ने बताया कि तीनों युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

पंचायत से लौटते समय हुए हमले में घायल वृद्ध की मौत, ग्रामीणों ने शव रखकर लगाया जाम

अमन लेखनी समाचार



मौरावां, उन्नाव। थाना क्षेत्र के पहाड़पुर गांव में जमीन विवाद सुलझाने के लिए हुई पंचायत से लौटते समय घायल हुए रामस्वरूप लोधी की रविवार को मौत हो गई। करीब डेढ़ महीने तक चले इलाज के बाद उन्होंने लखनऊ के एक निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया। मौत की खबर गांव पहुंचते ही परिजनों और ग्रामीणों ने अकोहरी-मवई मुख्य मार्ग पर शव रखकर जाम लगा दिया और आरोपियों की गिरफ्तारी व मुकदमे में हत्या की धारा जोड़ने की मांग की।गांव के राम प्रसाद और राम हर्ष के बीच जमीन को लेकर विवाद था, जिसे सुलझाने के लिए 21 सितंबर को पंचायत बुलाई गई थी। रामस्वरूप भी पंचायत में शामिल होने गए थे। आरोप है कि पंचायत के बाद लौटते समय दूसरे पक्ष के लोगों ने रामस्वरूप समेत पांच लोगों पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। सभी घायलों को मौरावां के 100 बेड अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालत गंभीर होने पर रामस्वरूप को उन्नाव, फिर कानपुर और बाद में लखनऊ के निजी अस्पताल रेफर किया गया था। परिजनों और ग्रामीणों का आरोप था कि घटना के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। सूचना पर सीओ हसनगंज तेज बहादुर सिंह और मौरावां एसएचओ पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया। रविवार रात पुरवा विधायक अनिल सिंह भी मौके पर पहुंचे, उन्होंने पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता दी और पुलिस अधिकारियों को मुकदमे में हत्या की धारा बढ़ाने के निर्देश दिए।विधायक ने आरोपियों को चेतावनी देते हुए कहा कि वे जल्द सरेंडर कर दें, नहीं तो एनकाउंटर होगा। विधायक के आश्वासन के बाद करीब साढ़े तीन घंटे चला धरना समाप्त हुआ।

पारिवारिक विवाद बहू ने सास को पीटा



अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। थाना क्षेत्र के नयाखेड़ा गांव में घर के बंटवारे को लेकर पारिवारिक कलह हिंसा में बदल गई। पीड़ित वृद्ध महिला ने अपनी बहू पर गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी नयाखेड़ा निवासी कलावती पत्नी कमलेश ने पुलिस को दी गई शिकायत दिया कि घर के बंटवारे की बात को लेकर उनकी बहू सोनी देवी पत्नी दिनेश यादव आक्रोशित हो गई भद्दी-भद्दी गालियां देनी शुरू कर दी और विरोध करने पर जमकर मारपीट की। मारपीट के दौरान सिर में गंभीर चोट आई है और शरीर में काफी दर्द है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जांच पड़ताल प्रारंभ कर दिया

छठ महापर्व को लेकर डीएम और एसपी ने गंगा घाटों का किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार



उन्नाव। आगामी छठ महापर्व को सकुशल और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के दृष्टिगत 11 अक्टूबर 2026 को जिलाधिकारी घनश्याम मीणा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने गंगा घाटों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार और पुलिस अधीक्षक उत्तरी आयुष श्रीवास्तव भी मौजूद रहे।

अधिकारियों ने थाना गंगाघाट क्षेत्र अंतर्गत गंगा नदी के आनंद घाट और मिश्रा घाट का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान छठ महापर्व पर श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, आवागमन और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा सुनिश्चित करने, घाटों पर समुचित प्रबंध करने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियां पूर्ण रखने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने निर्देशित किया कि छठ महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी कराते हुए पर्व को सकुशल, शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया जाए।

मालगाड़ी की चपेट में आने से अज्ञात युवक की मौत

अमन लेखनी समाचार



उन्नाव।लखनऊ-कानपुर रेलमार्ग पर रविवार दोपहर मालगाड़ी की चपेट में आने से करीब 45 साल के अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। देर शाम तक मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी थी।

घटना रविवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे की है। अप लाइन पर किलोमीटर संख्या 67/17 और 67/19 के बीच एक व्यक्ति रेलवे ट्रैक पर पहुंचा और मालगाड़ी की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।पुलिस के मुताबिक व्यक्ति ने पटरी पर गर्दन रख दी थी। सूचना मिलने पर जीआरपी की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। आसपास के लोगों से मृतक की पहचान कराने की कोशिश की गई, लेकिन कोई उसे पहचान नहीं सका।

मृतक ने चेकदार शर्ट और काले रंग की पैंट पहनी थी।पुलिस ने कपड़ों के आधार पर भी उसकी पहचान कराने का प्रयास किया। थानाध्यक्ष सुनील मिश्रा ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और आसपास के थानों सहित अन्य माध्यमों से उसकी पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और शिनाख्त के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विद्युत करंट की चपेट से राजगीर मिस्त्री की मौत

अमन लेखनी समाचार



सुमेरपुर, उन्नाव। बिहार क्षेत्र के गाँव पोरई में मंगलवार दोपहर घर की छत का प्लास्टर कर रहे एक 32 वर्षीय राजगीर मिस्त्री की अचानक खुले विद्युत तार की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बिहार थाना क्षेत्र के ग्राम सोनीखेड़ा निवासी रामू लोधी (32) पुत्र सुंदर मंगलवार को ग्राम पोराई में बिल्लेश्वर लोधी के यहां घर की छत पर प्लास्टर का कार्य कर रहे थे। दोपहर करीब 3 बजे काम के दौरान अचानक घर के बाहर से गुजरे विद्युत तार की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से झुलस कर घायल हो गए। आनन-फानन में परिजनों व स्थानीय लोगों द्वारा उन्हें तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाटन पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से डेथ मेमो मिलने पर थाना स्थानीय की पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।मृतक रामू लोधी चार भाइयों कल्लू, राम गणेश, समर बहादुर में सबसे छोटे थे।रामू राजगीर मिस्त्री का कार्य कर किसी तरह अपने अत्यंत गरीब परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनकी शादी करीब 10 वर्ष पूर्व हुई थी।उनके परिवार में पत्नी उर्मिला और 4 साल का मासूम बेटा शुभांश है। पिता की अचानक हुई मौत से मासूम के सिर से पिता का साया उठ गया है। घटना के बाद से पत्नी उर्मिला व अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से पीड़ित गरीब परिवार को उचित आर्थिक सहायता दिए जाने की मांग की है।

थाना प्रभारी राहुल सिंह ने बताया कि मृतक के शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए सदर मोर्चरी उन्नाव भेज दिया गया है। मामले की विधिक जांच की जा रही है और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

असलहे के साथ युवक का वीडियो वायरल जांच में जुटी पुलिस

अमन लेखनी समाचार



उन्नाव।गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में असलहे के साथ बनाए गए एक युवक के तीन वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया पर सामने आए हैं, जिसमें वह असलहा दिखाने के साथ फायरिंग करता नजर आ रहा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि वीडियो आजाद नगर के रहने वाले कार्तिक के हैं। वीडियो में युवक अलग-अलग अंदाज में असलहे के साथ दिखाई दे रहा है।एक वीडियो में वह हाथ में तमंचा लिए नजर आता है, जबकि दूसरे में फायरिंग करता दिख रहा है। उसने ये वीडियो रील के रूप में बनाए हैं और बैकग्राउंड में पंजाबी गाने लगाए हैं। हालांकि वीडियो में दिख रहे असलहे की स्थिति, उसके अवैध होने और फायरिंग कब व कहां हुई, इसकी हिंदी दैनिक अमन लेखनी समाचार पत्र पूर्ण रूप से वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं नहीं करता है वीडियो की सत्यता और उसमें दिख रहे युवक की भूमिका की भी जांच की जा रही है। गंगाघाट कोतवाली के इंस्पेक्टर अजय सिंह ने बताया कि सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने की जानकारी मिली है और वीडियो में दिख रहे युवक व असलहे से जुड़े तथ्यों की पड़ताल के बाद जरूरी कार्रवाई की जाएगी।

विवादों को लेकर कई जगहों पर मारपीट दर्ज हुआ मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बिहार थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम देवीखेड़ा में भूमि विवाद और आपसी रंजिश के चलते दो दिनों के भीतर मारपीट, तोड़फोड़, फायरिंग और जानलेवा हमले की घटनाएं सामने आई हैं। इस संबंध में पुलिस ने अलग-अलग तहरीरों के आधार पर मुकदमे पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है। पहले मामले में देवीखेड़ा निवासी अनुज सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 8 नवंबर की शाम करीब 6 बजे वह अपने मुर्गी फार्म पर मौजूद थे। आरोप है कि इसी दौरान गांव के ही लवकुश उर्फ अशीष, हैप्पी उर्फ नवनीत, शिवभद्र सिंह, निकुंज सिंह, अंकित सिंह व एक अन्य व्यक्ति लाठी-डंडों के साथ वहां आ धमके। फार्म पर दिया जलाने का विरोध करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए तोड़फोड़ की और अनुज के साथ मारपीट की। शोर सुनकर पहुंचे ग्रामीणों के बीच-बचाव करने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। विवाद ने अगले दिन 9 नवंबर को और उग्र रूप ले लिया। गांव के ही नवनीत सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि सुबह करीब 11:30 बजे जब वह आशीष कुमार सिंह व मिथलेश सिंह के साथ अपने खेत पर काम कर रहे थे, तभी विपक्षी पक्ष के एक दर्जन से अधिक लोगों ने वहां पहुंचकर जमीन पर कब्जे की नीयत से आर.सी.सी. पिलर और आम का पेड़ जेसीबी से उखाड़ फेंका। आरोप है कि विरोध करने पर रवींद्र बहादुर सिंह ने जान से मारने की नीयत से आशीष पर तीन राउंड फायरिंग की। जान बचाकर भागने पर आरोपियों ने लाठी-डंडों व ईंट से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंचीं प्रियंका सिंह के साथ भी मारपीट व अभद्रता की गई, जिससे उन्हें और आशीष को गंभीर चोटें आईं।

वहीं, इसी दिन सुबह 11 से 12 बजे के बीच की घटना को लेकर सिविल लाइन उन्नाव निवासी आशुतोष भारती ने भी थाने में तहरीर दी है। आशुतोष के अनुसार, वह अपने मित्र अभिषेक सिंह के घर पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने देवीखेड़ा आए थे।खेत में अवैध रूप से पिलर गाड़ने के गड्ढे खोदे जाने की जानकारी मिलने पर विवाद बढ़ गया। आरोप है कि विपक्षियों ने लाठी-डंडों और कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया और जातिसूचक गालियां दीं। इस हमले में कृष्ण कुमार सिंह, विक्रम सिंह, अनुज सिंह और अभिषेक सिंह गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गए। इस दौरान विक्रम सिंह का चांदी का ब्रेसलेट और गले की सोने की चेन भी टूट गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह स्थिति को नियंत्रित किया। थानाप्रभारी राहुल सिंह ने बताया प्राप्त तहरीरों के आधार पर अभियोग दर्ज कर लिए हैं और मामले की विधिक जांच की जा रही है।

चार दिन से लापता अधेड़ का शव गड्ढे में मिला, परिवार में कोहराम

अमन लेखनी समाचार



बीघापुर, उन्नाव।महाई गांव से चार दिन पहले घर से निकले 55 वर्षीय व्यक्ति का शव अचलगंज क्षेत्र में मिलने से सनसनी फैल गई। शव जंगलेश्वर मंदिर से करीब 100 मीटर दूर मिट्टी के गड्ढे में पड़ा था।

जानकारी के अनुसार सोमवार शाम जंगलेश्वर हनुमान मंदिर के पीछे माइनर के पास ईंट-भट्ठे के लिए मिट्टी निकाल रहे एक मजदूर ने शव देखा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने तलाशी ली तो जेब से आधार कार्ड और बैंक पासबुक मिली, जिससे मृतक की पहचान महाई निवासी पप्पू निर्मल पुत्र पुत्तीलाल के रूप में हुई। शव के पास काली जींस, सफेद टी-शर्ट, पानी की बोतल, गमछा और घड़ी भी रखी मिली।परिजनों के अनुसार पप्पू 5 नवंबर को सिकंदरपुर कर्ण जाने के लिए घर से निकले थे। वापस न लौटने पर परिजनों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।पप्पू बहरीन में कपड़े प्रेस करने का काम करते थे और 11 अक्टूबर को घर आए थे। उनके परिवार में पत्नी सुमन देवी, एक बेटा और दो बेटियां हैं। मंगलवार को शव गांव पहुंचते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई।पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

सड़क किनारे युवक का मिला शव सड़क हादसे की आशंका

अमन लेखनी समाचार



उन्नाव। आसीवन, उन्नाव।थाना क्षेत्र के जहांगीरनगर-मुंशीखेड़ा मार्ग पर सोमवार सुबह एक युवक का शव मिला। मृतक की पहचान मुंशीखेड़ा गांव निवासी महेश (38) पुत्र राजेपाल पासी के रूप में हुई। शव के पास उसकी क्षतिग्रस्त बाइक भी पड़ी मिली। पुलिस सड़क हादसे समेत सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पुलिस को सोमवार सुबह करीब 7 बजे सड़क पर शव पड़े होने की सूचना मिली। आसीवन पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।पुलिस के अनुसार रविवार रात करीब 7 बजे महेश की गांव के ही हरिओम पुत्र मूलचंद्र से शराब के नशे में किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी।इसके बाद दोनों ने थाने जाने की बात कही थी, लेकिन रास्ते में महेश का शव मिला। उसके मुंह से खून निकल रहा था और बाइक क्षतिग्रस्त हालत में पड़ी थी। प्रथम दृष्टया पुलिस इसे सड़क हादसा मान रही है, हालांकि कहासुनी की बात सामने आने के बाद अन्य पहलुओं पर भी जांच की जा रही है। शव को कब्जे में लेकर फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया और साक्ष्य जुटाए गए। महेश चार भाइयों और तीन बहनों में सबसे बड़ा था। परिवार में पहले भी दो मौतें संदिग्ध परिस्थितियों में हो चुकी हैं। करीब चार साल पहले उसके पिता राजेपाल की मौत हुई थी और तीन साल पहले उसके भाई शैलेंद्र का शव फंदे से लटका मिला था। मृतक के परिवार में पत्नी सुमन, दो बेटे अभिषेक और यश तथा बेटी अनामिका हैं। मौत की खबर मिलते ही पत्नी, मां राजरानी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है।

दीपावली जैसे पवित्र पर्व पर जुआरियों का लगा रहा जमघट

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। दीपावली जैसे पवित्र पर्व पर जहां एक ओर पूरा क्षेत्र दीयों की रोशनी और खुशियों से जगमगा रहा था, वहीं दूसरी ओर कस्बा गंज मुरादाबाद के मध्य में जुआरियों का जमघट शांति व्यवस्था को खुली चुनौती देता रहा। शांति व्यवस्था हेतु पुलिस की मुस्तैदी के तमाम दावों के बावजूद मंगलवार को नगर के मध्य स्थित मंदिर की चौखट पर जुआरियों का जमावड़ा लगा रहा और जुआरी खुलेआम हुड़दंग मचाते रहे। सूचना देने के बाद भी पुलिस मौन धारण किए रही, जिससे नगरवासियों में भारी आक्रोश है। दीपावली पर्व पर गंज मुरादाबाद चौकी पुलिस नगर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार भ्रमण करती रही। पुलिस के भ्रमण के चलते नगर में कोई बड़ी अप्रिय घटना तो नहीं घट सकी, लेकिन पुलिस को ठेंगा दिखाते हुए त्योहार के दिन सोमवार से लेकर मंगलवार की शाम तक नगर के प्रमुख मार्गों के किनारे जुए के दर्जनों फड़ सजे रहे। इन फड़ों पर जुआरियों ने लाखों रुपये के दांव लगाए। नगर के चौराहों, गलियों और सुनसान कोनों में जुआरी बेखौफ होकर जुआ खेलते नजर आए। हद तो तब हो गई जब जुआरियों ने नगर के मध्य डी.सी.के.एम. इंटर कॉलेज परिसर में स्थित विख्यात पूजा स्थल के चबूतरे पर ही जुए के फड़ जमा दिए। आस्था के इस केंद्र पर जुआरियों के झुंड ने फूहड़ता के साथ जमकर हुड़दंग मचाया। जूता पहने जुआरी ऐसे पवित्र पूजा स्थल के चबूतरे पर अधजली सिगरेट व बीड़ी तथा पान-मसाला आदि की गंदगी भी फैलाते रहे। इससे मंदिर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। कई श्रद्धालु तो पूजा स्थल की इस दुर्दशा को देखकर दुखी होकर वापस लौट गए। मजे की बात तो यह है कि मंदिर के पड़ोसियों द्वारा जुआरियों के जमघट की सूचना मौखिक रूप से पुलिस को भी दी गई। लोगों ने उम्मीद जताई थी कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर फड़ उखाड़ फेंकेगी और जुआरियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। किंतु नगर के मार्गों पर गश्त करते हुए पुलिस द्वारा इन जुए के फड़ों को अनदेखा कर दिया गया। पुलिस की यह अनदेखी नगर में चर्चा का विषय बनी हुई है। नागरिकों का कहना है कि यदि त्योहार के दिन ही पूजा स्थल पर जुआ खेला जाएगा और पुलिस चुप रहेगी, तो आम दिनों में क्या होगा। लोगों ने मांग की है कि पुलिस प्रशासन इस मामले को गंभीरता से ले, मंदिर परिसर में जुआ खेलने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे और नगर में जुए के फड़ों पर पूरी तरह रोक लगाए, ताकि आने वाले त्योहारों पर श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस न पहुंचे और नगर की शांति व्यवस्था बनी रहे।

छेड़छाड़ का विरोध करने पर युवक पर जानलेवा हमला, पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। नगर के दलीगढ़ी राजाबाजार मोहल्ले में छेड़छाड़ का विरोध करना एक युवक को भारी पड़ गया। आरोप है कि मोहल्ले के ही पांच युवकों ने उसके दरवाजे पर आकर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। पीड़ित अर्जुन ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि सोमवार को सुदीप, दिलीप, कल्लू, अजय और जयबाबू उसके घर के सामने अशोभनीय हरकतें कर रहे थे। टोकने पर आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और लाठी-डंडों से पीटकर घायल कर दिया, जिससे उसके सिर में चोट आई। शोर मचाने पर आसपास के लोग दौड़े तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले।



बेहोशी की हालत में परिजन उसे कोतवाली ले गए, जहां से पुलिस ने इलाज के लिए सीएचसी भेजा।इस संबंध में कोतवाली प्रभारी भवन मौर्य ने बताया कि तहरीर के आधार पर पांचों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

निकाली जाएगी भव्य कलश यात्रा

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। असोहा क्षेत्र के अजयपुर स्थित पावन धाम कुटी बीर बाबा नवदिवसीय हनुमत रुद्र महायज्ञ एवम मानस वेदांत सन्त सम्मेलन का शुभारंभ आज कलश यात्रा से प्रारम्भ होगा । आयोजक भाजपा नेता संजय शुक्ल ने बताया कि उक्त कलश यात्रा पावन धाम से निकल कर छेत्र के असोहा, नेवादा, अजयपुर, निमैचा, भाऊमऊ होते हुए साई नदी तट पर स्थित देवल मुनि आश्रम से जल भर कर पुनः कुटी बीर बाबा आएगी , कमेटी के सदस्यों ने बताया कि उक्त कलश यात्रा में सैकड़ो चौपहिया दोपहिया वाहनों से छेत्र की माताएं बहने कलश लेकर जल भरने के लिये जाएंगी । संजय शुक्ल ने बताया कि नव दिवसीय हनुमत रुद्र महायज्ञ में नैमिष तथा अयोध्या धाम से आये आचार्यो व वेदपाठी ब्राह्मणों द्वारा यज्ञ सम्पन्न कराया जाएगा , साथ ही यवयोपवीत व उपनयन संस्कार जैसे कर्मकांड भी कराए जाएंगे , इछुक व्यक्ति आकर वैदिक रीति से निशुल्क यग्योपवीत आदि करवा सकते है ।वही मानस वेदांत सन्त सम्मेलन के अंतर्गत प्रयाग , बनारस , अयोध्या से आये सन्तो द्वारा 11 नवम्बर से19 नवम्बरतक दिन में दो बजे से पांच बजे तक एवम शाय सात बजे से दस बजे तक रामकथा गुड़गान किया जाएगा । कमेटी के सदस्यों ने छेत्र वासियो से ज्यादा से ज्यादा संख्या में कलश यात्रा व रामकथा सुनने की अपील की है ।

किशोरी ने निगला जहरीला पदार्थ हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र के जारुल्लानगर गांव में सोमवार देर रात 17 वर्षीय किशोरी की जहरीला पदार्थ निगलने से मौत हो गई। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे मियागंज सीएचसी ले गए, जहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।जानकारी के अनुसार गांव निवासी दयाराम सिंह की बेटी पलक (17) ने सोमवार रात करीब साढ़े 12 बजे संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ निगल लिया। कुछ देर बाद तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मियागंज लेकर पहुंचे। वहां डॉ. जावेद सिद्दीकी ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजनों की सूचना पर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। चालक सुनील कुमार और ईएमटी गोविंद कुमार ने किशोरी को एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां इमरजेंसी में डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।बताया जा रहा है कि परिजन पुलिस को सूचना दिए बिना शव को जिला अस्पताल से गांव ले गए। किशोरी ने किन परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ निगला, इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

सम्पादकीय

कैंसर के खिलाफ जंग को मिली और मजबूती

कैंसर का नाम सुनते ही किसी भी परिवार के सामने सबसे बड़ी चुनौती बीमारी से लड़ने के साथ-साथ इलाज के खर्च का इंतजाम करने की होती है। लंबे समय तक चलने वाला उपचार, महंगी दवाएं और बार-बार अस्पताल के चक्कर मरीज और उसके परिजनों को मानसिक व आर्थिक रूप से तोड़ देते हैं। ऐसे में कैंसर की 137 दवाओं की कीमतों में भारी कटौती का फैसला लाखों मरीजों के लिए राहत की नई उम्मीद लेकर आया है। यह केवल दवाओं के दाम घटने का मामला नहीं, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं को आम आदमी की पहुंच में लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। दवाओं की कीमतों में कमी से मरीजों को सालाना करीब 3,540 करोड़ रुपये की बचत होने का अनुमान है। खास बात यह है कि 679 ब्रांड की दवाओं के दाम 50% से अधिक घटाए गए हैं और कुछ दवाओं की कीमतों में 96.45% तक की कमी हुई है। निश्चित रूप से इससे कैंसर के उपचार का आर्थिक बोझ कम करने में मदद मिलेगी। इस फैसले के पीछे न्यायपालिका की सक्रियता, विशेषज्ञों की सिफारिश और सरकार की नियामक व्यवस्था की अहम भूमिका रही है। 22 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने कैंसर की दवाओं की खुदरा खरीद कीमत और अधिकतम खुदरा मूल्य के बीच भारी अंतर पर गंभीर सवाल उठाए थे। अदालत ने टिप्पणी की थी कि 2,700 रुपये की दवा मरीज को 27 हजार रुपये में मिलना दिनदहाड़े डकैती और नरसंहार जैसा है। इस टिप्पणी ने दवा कारोबार में मुनाफे और मरीजों के हितों के बीच संतुलन की जरूरत को रेखांकित किया। इसके बाद नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) ने 137 गैर-अनुसूचित कैंसर दवाओं पर कंपनियों का व्यापार मार्जिन 30% तय कर दिया। इसी व्यवस्था के तहत कंपनियों ने नई कीमतें लागू की हैं। इस पहल का सकारात्मक पक्ष यह भी है कि कीमतों में कमी का आधार केवल प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि विशेषज्ञों का अध्ययन और सुझाव भी रहे हैं। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज के तहत गठित समिति में देशभर के प्रमुख कैंसर विशेषज्ञों, चिकित्सकों, अस्पतालों के प्रतिनिधियों और सरकारी अधिकारियों ने विचार-विमर्श के बाद 137 दवाओं की सिफारिश की। सूची को समय-समय पर अपडेट करने का प्रावधान भी महत्वपूर्ण है। इससे भविष्य में दूसरी जरूरी दवाओं को भी कीमत नियंत्रण के दायरे में लाने का रास्ता खुल सकता है। नई कीमतें सभी मेडिकल स्टोर और अस्पतालों की फार्मेसी तक पहुंचनी चाहिए। मरीजों को पुरानी कीमतों पर दवा बेचने, निर्धारित दर से अधिक वसूली और पुराने स्टॉक के नाम पर मनमानी करने वालों पर सख्ती जरूरी है। इस दिशा में 'फार्मा सही दाम' ऐप, एनपीपीए की वेबसाइट और 'फार्मा जन समाधान' पोर्टल जैसी सुविधाएं उपयोगी साबित हो सकती हैं। दरअसल, कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के उपचार में दवाओं की नियमित उपलब्धता और उनका उचित मूल्य चुकाना जरूरी है। केवल कीमत घटाना पर्याप्त नहीं, मरीज को समय पर सही दवा मिलना भी सुनिश्चित करना होगा। सरकार को दवा मूल्य नियंत्रण की व्यवस्था की नियमित समीक्षा करनी चाहिए। दवा कंपनियों के अनुसंधान और उत्पादन को प्रोत्साहन देते हुए मरीजों के हितों की रक्षा के बीच संतुलन बनना भी जरूरी है। स्वस्थ समाज की नींव तभी मजबूत होगी, जब किसी व्यक्ति की जिंदगी बचाने वाला उपचार उसकी आर्थिक हैसियत का मोहताज नहीं रहेगा। कैंसर की दवाओं की कीमतों में यह कटौती इसी दिशा में उम्मीद जगाने वाला कदम है।



मुद्दा

प्रभात कुमार रॉय

अमेरिका के मिडटर्म चुनाव में राष्ट्रपति ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को मिली करारी शिकस्त ने अमेरिकी राजनीति में नए समीकरण पैदा कर दिए हैं। संसद के दोनों सदनों में बहुमत गंवाने से ट्रंप की मुश्किलें बढ़ेंगी। ईरान युद्ध, बढ़ती महंगाई और पेट्रोल-डीजल की कीमतों में उछाल उनकी पार्टी की हार के प्रमुख कारण बने। डेमोक्रेटिक पार्टी की बढ़त और वामपंथी विचारधारा वाले उम्मीदवारों की जीत अमेरिकी राजनीति में बदलाव के संकेत हैं। चुनावी नतीजों के बाद ट्रंप पर आक्रामक विदेश नीति की समीक्षा का दबाव बढ़ेगा। भारत के साथ व्यापारिक रिश्तों और कूटनीतिक व्यवहार में सुधार की संभावनाएं भी महत्वपूर्ण होंगी। अब देखना होगा कि चुनावी झटका ट्रंप को नीतियां बदलने और सहयोग की राह अपनाने के लिए कितना विवश करता है।

ट्रंप की हार से बदलेगी वैश्विक कूटनीति

सर्वविदित है कि अमेरिका के मिडटर्म चुनाव में अमेरिकन पार्लियामेंट के दोनों सदनों हाउस आफ रिप्रेजेंटेटिव (कांग्रेस) और सीनेट में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में रिपब्लिकन पार्टी को शिकस्त का सामना करना पड़ा है। हाउस आफ रिप्रेजेंटेटिव की कुल 435 सीटों में अभी तक डेमोक्रेटिक पार्टी को 264 और रिपब्लिकन पार्टी को 162 सीटों पर विजय प्राप्त हुई है। अमेरिकी पार्लियामेंट के उच्च सदन सीनेट की कुल 100 सीटों में डेमोक्रेटिक पार्टी द्वारा 54 सीटें प्राप्त करके अपना स्पष्ट बहुमत सीनेट में भी स्थापित कर लिया गया है, जबकि रिपब्लिकन पार्टी सीनेट में केवल 44 सीटों पर सिमट गई हैं। अमेरिकन राजनीति के विशेषज्ञ जानकारों के मुताबिक अमेरिका के मिडटर्म चुनाव द्वारा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिका का एक अत्यंत कमजोर और लाचार राष्ट्रपति बना दिया गया है। अमेरिका में वर्तमान संवैधानिक स्थिति में आंतरिक गृह मोर्चे पर भले ही राष्ट्रपति ट्रंप की शक्तियों पर डेमोक्रेट्स द्वारा कड़ी लगाम कस दी जाएगी, किंतु विदेश नीति के फ्रंट पर तो ट्रंप की कूटनीतिक शक्तियों को कदाचित शिथिल नहीं की जा सकेगा। प्रबल प्रश्न उपस्थित है कि राजनीतिक तौर पर निर्बल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अमेरिकन हुकूमत द्वारा वैश्विक कूटनीति और भारत के प्रति उसके व्यवहार में कितना कुछ बुनियादी परिवर्तन अंजाम दिया जा सकता है अथवा नहीं दिया जाएगा। जहां तक अमेरिका के वैश्विक कूटनीतिक व्यवहार का प्रश्न है, वह तो निश्चित तौर पर भविष्य में परिवर्तित होने वाला है। ईरान युद्ध से उत्पन्न हुए दुष्प्रभाव ने ही अमेरिका में आंतरिक तौर पर रिपब्लिकन पार्टी की राजनीतिक तबाही को अंजाम दिया है। डोनाल्ड ट्रंप को अपने आगामी दो वर्ष के कार्यकाल के दौर में अपनी विदेश नीति में बुनियादी परिवर्तन करने के लिए विवश होना ही पड़ेगा। भारत के साथ अमेरिका की संभावित ट्रेड डील किसी सकारात्मक अंजाम तक आखिर कब तक पहुंच सकती है, यह तो भविष्य ही बताएगा। किंतु एक बात निश्चित है कि अपनी अंतरराष्ट्रीय छवि को बेहतर बनाने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप निश्चित तौर पर भारत के साथ अमेरिका के बिगड़ते हुए रिश्तों को सुधारने की कोशिश अवश्य ही कर सकते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में प्रारंभ से ही पाकिस्तान को भारत के मुकाबले अधिक तरजीह प्रदान करते रहे हैं। पाकिस्तान के सैन्य कमांडर इन चीफ जनरल मुनीर और प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ का व्हाइट हाउस में खासतौर पर रेड कार्पेट खैरमकदम किया गया। पाकिस्तानी फौज के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने खजाना खोल दिया! अपने प्रथम कार्यकाल में डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पाकिस्तान को वैश्विक आतंकवाद को परिपोषित करने वाला खतरनाक जिहादी मुल्क करार दिया गया था। अमेरिका ग्रेट अगेन और अमेरिका फर्स्ट की उद्घोषणाओं के तहत राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा अत्यंत अनुचित और मनमाने ढंग से भारत पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ आयद किया गया, जिसको बाद में घटाकर 50 और फिर 25 प्रतिशत कर दिया गया। ट्रंप द्वारा रूस से तेल आयात करने की स्थिति में भारत के विरुद्ध 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ आयद करने का ऐलान किया गया। अब राष्ट्रपति ट्रंप की अपनी कूटनीतिक विडंबना देखिए कि पेट्रोल और डीजल के जबरदस्त संकट से जूझते हुए अमेरिकन सरकार द्वारा



रूस के विरुद्ध आयद किए गए आर्थिक प्रतिबंधों को निरस्त कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि 3 जनवरी 2027 को हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव के सदस्य शपथ ग्रहण करेंगे। है। हालांकि अभी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास 2 वर्ष 2 महीने का कार्यकाल शेष बचा है। रिपब्लिकन पार्टी द्वारा अमेरिका पार्लियामेंट के दोनों सदनों में अपना बहुमत को गंवा देने की स्थिति में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब अपनी घरेलू और विदेश नीति को कानूनी शक्ति प्रदान नहीं कर सकेंगे। मिडटर्म चुनाव में विकराल शिकस्त हो जाने के पश्चात भी डोनाल्ड ट्रंप के आक्रामक तेवर कदाचित शिथिल नहीं हुए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने बाकायदा ऐलान कर दिया है कि हाउस का रिप्रेजेंटेटिव और सीनेट द्वारा पारित विधेयकों (बिलों) को वह वीटो कर देंगे और लेजिसलेशन (कानूनी एक्ट) का आकार नहीं लेने देंगे। राष्ट्रपति ट्रंप यह भी फरमा दिया है कि उन्हें इस बात की कतई परवाह नहीं है कि उनको प्रेसिडेंट चोटी कहकर इतिहास निरूपित करेगा। नवंबर में संभवतया 17 और 18 तारीख को ट्रंप चीन जाएंगे, जहां पर राष्ट्रपति पुतिन के साथ भी उनकी मुलाकात होगी। यूक्रेन युद्ध को सुलझाने की खातिर राष्ट्रपति ट्रंप राष्ट्रपति पुतिन के साथ कोऑर्डिनेशन स्थापित करके यूक्रेन युद्ध के समापन पर बातचीत अंजाम दे सकते हैं, ताकि यूक्रेन युद्ध को समाप्त कर देने के लिए उनका दबाव कायम बना रह सके। मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की शर्मनाक शिकस्त के लिए अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वैंस ने डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रारंभ किए गए आक्रामक ईरान युद्ध को जिम्मेदार करार दिया है। डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में अमेरिका की इजरायल के साथ अत्यधिक घनिष्ठता पर भी रिपब्लिकन पार्टी के लीडर्स ने सवाल खड़े किए हैं। दरअसल रिपब्लिकन पार्टी के वरिष्ठ लीडर अब भविष्य में सन 2028 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव की तरफ देख रहे हैं। आने वाले वक्त में ईरान युद्ध पर लगाम कसने के लिए अब सबसे पहले रिपब्लिकन पार्टी के वरिष्ठ लीडर ही राष्ट्रपति ट्रंप के आड़े आ जाएंगे। क्योंकि ईरान युद्ध को उपराष्ट्रपति जेडी वैंस एवं अन्य रिपब्लिकन लीडर राष्ट्रपति ट्रंप का व्यक्तिगत निर्णय घोषित कर चुके हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका फर्स्ट अभियान को संचालित करते हुए ट्रंप ने भविष्य में कोई भी युद्ध नहीं करने का बाकायदा ऐलान किया था। लेकिन ट्रंप द्वारा भविष्य में युद्ध नहीं करने के ऐलान का एकदम उलटकर ईरान पर युद्ध थोप दिया गया। ईरान में रिजीम चेंज करने की सनक में ट्रंप ने कहा कि कुछ ही दिनों में ईरान में रिजीम चेंज हो जाएगा और युद्ध समाप्त हो जाएगा। किंतु 8 महीनों का वक्त व्यतीत हो गया, है और अभी तक युद्ध के समापन का कोई मुहूर्त नहीं आया है। बहुत मुमकिन है कि राष्ट्रपति ट्रंप आने वाले कुछ दिनों में फिर से ईरान पर आक्रामक धावा बोल सकते हैं। हालांकि रिपब्लिकन पार्टी की पराजय से अत्यंत क्षुब्ध और क्रोधित रिपब्लिकन लीडर ऐसा करने से राष्ट्रपति ट्रंप को अवश्य ही रोक सकेंगे। ट्रंप द्वारा स्वयं भी आखिरकार रिपब्लिकन पार्टी की पराजय को बाकायदा स्वीकार कर लिया है और ट्रंप ने यह भी कहा है कि मिडटर्म चुनाव में पराजय ईरान युद्ध के कारण ही मुमकिन हुई है। समझा जा रहा है कि ईरान युद्ध के कारणवश ही अमेरिका में महंगाई की दर चार प्रतिशत से भी अधिक हो गई। डीजल और पेट्रोल के दाम बढ़ गए हैं। मिडटर्म चुनाव सर्वे में एक बात स्पष्ट तौर पर उभरकर सामने आई है कि अमेरिका के 75% मतदाता ईरान युद्ध के विरुद्ध रहे हैं। चुनाव में पराजय का सामना करने के बाद संभव है कि ट्रंप को अमेरी संसद के पटल पर बड़े बहुमत वाली डेमोक्रेटिक पार्टी द्वारा प्रस्तावित महाअभियोग का भी सामना करना पड़े। विगत कार्यकाल में भी ट्रंप ने दो दफा महाअभियोग का सामना किया था। भविष्य में जो भी परिस्थिति रहे किंतु ट्रंप को पराजय से गंभीर सबक लेना चाहिए और आगामी दो वर्षों के कार्यकाल में राजनीतिक और कूटनीतिक गलतियों को दुरुस्त करना चाहिए।

मंथन

रितीश उपाध्याय



समझ न आए कानूनी फ़ैसला, तो इंसाफ़ कैसा?

जब मौन का मुकदमा हार चुके एक किसान के हाथ में फैसले की प्रति आती है, जिसे वह पढ़ ही नहीं पाता। वकील मोटे तौर पर मतलब बता देता है, कभी इत्मीनान से, कभी कचहरी के गलियारों में जल्दबाजी में। पर अदालत ने ऐसा फैसला क्यों दिया, इसकी वजह उस भाषा में दबी रह जाती है, जो उस किसान की अपनी नहीं है। जिसकी आजादी, जमीन या रोजी दांव पर थी, क्या उसे अपना फैसला खुद पढ़ने और समझने का भी हक नहीं? इस मामले में संवैधानिक प्रावधान पहली नजर में जरूर थोड़े सख्त दिखते हैं। अनुच्छेद 348(1)(क) के अनुसार, जब तक संसद कानून बनाकर कुछ और तय न करे, सुप्रीम कोर्ट और हर हाई कोर्ट की कार्यवाही अंग्रेजी में होगी। संविधान के अनुच्छेद 348(2) ने राज्यपाल को राष्ट्रपति की पूर्व सहमति से हाई कोर्ट की कार्यवाही में हिंदी या राज्य की राजभाषा का प्रयोग करने की इजाजत देने का अधिकार दिया है। हालांकि, यह छूट हाई कोर्ट के फैसलों, डिक्री और आदेशों पर लागू नहीं होगी, हालांकि इस रिक्ति को राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 7 भरती है। उसके तहत राज्यपाल, राष्ट्रपति की पूर्व सहमति से फैसले, डिक्री और आदेश के लिए भी अंग्रेजी के साथ हिंदी या उस राज्य की किसी राजभाषा को मान सकते हैं, लेकिन नियम के अनुसार हाई कोर्ट के प्राधिकार से जारी अंग्रेजी अनुवाद साथ संलग्न होना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट का मामला अलग है, वहां ऐसा कोई रास्ता नहीं है। बदलाव सिर्फ संसद द्वारा पारित किसी कानून से आ सकता है। आम जन में धारणा है कि अदालतों की भाषा अंग्रेजी तय है और उसमें कुछ नहीं बदल सकता। पर कानून पढ़ें तो तस्वीर अलग नजर आती है। उसमें अपनी भाषा के लिए जगह मौजूद है, लेकिन उसका इस्तेमाल बेहद कम हुआ है। इस्तेमाल कितना कम हुआ, यह आंकड़े बताते हैं। अब तक भारत के केवल चार ही हाई कोर्ट में कार्यवाही के लिए हिंदी की इजाजत है, ये राज्य हैं राजस्थान (1950), उत्तर प्रदेश (1969), मध्य प्रदेश (1971) और बिहार (1972)। तमिलनाडु, गुजरात, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक के प्रस्ताव आगे ही नहीं बढ़ सके। ऐसे हर प्रस्ताव पर भारत के मुख्य न्यायाधीश की सहमति ली जाती है, और केंद्र सरकार संसद में बता चुकी है कि सुप्रीम कोर्ट ने इन्हें स्वीकार नहीं किया। कानून बनाने और बने हुए कानून के तहत हिंदी या राजभाषा का प्रयोग करने में वक्त लग सकता है, पर तब तक आम आदमी क्या करे? जवाब अनुवाद में है। राज्यसभा को बताया गया कि 28 मार्च 2025 तक सुप्रीम कोर्ट के ई-एससीआर पोर्टल पर 36,344 फैसले हिंदी में और 47,439 अनुवाद दूसरी भाषाओं में उपलब्ध थे। वे अनुवाद 18 भाषाओं में उपलब्ध हैं, जिनमें तमिल, तेलुगु, बांग्ला, गुजराती और पंजाबी शामिल हैं। हालांकि, यह केवल सुप्रीम कोर्ट के रिपोर्टेबल यानी चुने हुए अहम फैसले हैं, हर आदेश नहीं। और जो फैसले कई भाषाओं में अनुवादित हैं, वे हर भाषा के हिसाब से अलग गिने गए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने इस काम को रफ्तार दी है, पर अकेली मशीन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। 2024 में तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ ने बताया था कि एआई ने लीव ग्रांटेड का अनुवाद अवकाश प्राप्त हुआ कर दिया, जबकि अदालत में इसका मतलब है कि अपील सुनने की इजाजत मिल गई। जाहिर है, कानून की भाषा में एक शब्द चूकने से पूरा अर्थ बदल जाता है। इसीलिए नवंबर 2019 में रसुवासर सॉफ्टवेयर शुरू होने के बाद से अनुवाद की जांच का ढांचा भी खड़ा किया गया है, जिसमें हाई कोर्ट भी शामिल हैं। साझा शब्दावली पर भारतीय भाषा समिति काम कर रही है, जिसे भारतीय बार काउंसिल और केंद्र सरकार ने बनाया है और जिसके अध्यक्ष पूर्व मुख्य न्यायाधीश एस. ए. बोबडे हैं। महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि क्या क्या अंग्रेजी हटाकर उसकी जगह किसी एक भारतीय भाषा को बिठा दिया जाए? लेकिन जब केरल या नगालैंड का वकील दिल्ली की पैंट के सामने खड़ा होता है, तो दोनों को एक खड़ा भाषा चाहिए। अब जरूरत इस पहल को हिंदी से आगे ले जाने की है।

संकलित दर्शन

इच्छाओं का पात्र कभी नहीं भरता



एक बार एक साधु राजा के महल में पहुंचा। राजा का नियम था कि उसके महल में सबसे पहले आने वाले व्यक्ति की हर इच्छा पूरी की जाएगी। राजा ने साधु से कहा कि वह जो चाहे मांग सकता है। साधु ने अपने हाथ में पकड़ा छोटा-सा भिक्षापात्र आगे करते हुए कहा, 'महाराज! बस इसे सोने के सिक्कों से भर दीजिए।' राजा को यह बहुत आसान काम लगा। उसने तुरंत सेवकों को सोने के सिक्के लाने का आदेश दिया। सिक्के पात्र में डाले गए, लेकिन वह खाली ही रहा। राजा ने और सिक्के मंगवाए, फिर भी पात्र नहीं भरा। धीरे-धीरे राजा ने अपना पूरा खजाना उस पात्र में उलटा दिया, लेकिन वह फिर भी खाली रहा। आखिरकार राजा ने हार मान ली और साधु से पूछा कि इस छोटे से पात्र में ऐसा क्या रहस्य है, जो यह भरने का नाम ही नहीं लेता? साधु मुस्कराया और बोला, 'महाराज! यह कोई जादुई पात्र नहीं है। यह मनुष्य की खोपड़ी से बना है। जिस प्रकार इंसान का मन कभी संतुष्ट नहीं होता, उसी प्रकार यह पात्र भी कभी नहीं भरता। मनुष्य धन, पद, प्रतिष्ठा और ज्ञान कितना भी प्राप्त कर ले, उसकी इच्छाएं लगातार बढ़ती रहती हैं।' साधु ने आगे कहा कि भौतिक सुखों के पीछे भागते-भागते मनुष्य अपना पूरा जीवन बिता देता है, लेकिन मन का खालीपन दूर नहीं होता। सच्ची शांति बाहरी वस्तुओं में नहीं, बल्कि आत्मज्ञान, संतोष और ईश्वर के प्रति समर्पण में है। इसकी सीख यह है कि इच्छाओं का कोई अंत नहीं है। जीवन में वास्तविक सुख अधिक पाने में नहीं, बल्कि जो मिला है उसमें संतोष करना और मन को निर्मल रखना सीखने में है।

संकलित प्रेरणा

जीवन में मुश्किलें स्थायी नहीं होतीं



पहाड़ की ऊंची चोटी पर एक विशाल चील रहती थी। उसकी उड़ान इतनी ऊंची और तेज थी कि आसमान में दूसरे पक्षी भी उसे देखकर गर्व महसूस करते थे। एक दिन शिकार करते समय शिकारी का तीर उसके पंख में आ लगा। चील घायल होकर जमीन पर गिर पड़ी। जो कभी आसमान की रानी थी, वह अब उड़ने में भी असमर्थ थी। दिन बीतने लगे। चोट के कारण वह शिकार नहीं कर पा रही थी। दूसरे पक्षी उसे देखकर कहते, 'अब यह कभी आसमान में नहीं उड़ पाएगी। इसके उड़ने के दिन खत्म हो गए।' उनकी बातें सुनकर चील निराश हो जाती। एक रात एक बूढ़े उल्लू ने उसे समझाया, 'चोट तुम्हारे पंखों को कमजोर कर सकती है, हौसले को नहीं। अगर तुमने कोशिश करना छोड़ दिया तो हार निश्चित है। धैर्य रखो और धीरे-धीरे दोबारा उड़ने का अभ्यास करो।' चील को उसकी बातों से नई उम्मीद मिली। उसने पहले अपने पंख फड़फड़ाने शुरू किए। फिर छोटी-छोटी छलांग लगाकर उड़ने का प्रयास किया। कई बार गिरी, दर्द सहा, लेकिन हिम्मत नहीं हारी। आखिरकार कई सप्ताह की मेहनत के बाद एक दिन उसने अपने पंख फैलाए और आसमान की ओर उड़ चली। इससे सीख मिलती है कि जीवन में असफलता और मुश्किलें कभी स्थायी नहीं होतीं। गिरने के बाद फिर उठने का साहस ही असली ताकत है। परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन हों, धैर्य, आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास से मंजिल हासिल की जा सकती है।

अंतर्मन

खड़गे के दिवाली संदेश से बढ़ा राजनीतिक विवाद



आज की पाती

जहरीली हवा गंभीर खतरा

जहरीली होती हवा लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन गई है। बच्चों, बुजुर्गों और सांस के मरीजों को सबसे अधिक परेशानी हो रही है। प्रदूषण के दमनकारी आंकड़ों ने जाहिर तौर पर विकास और आम सहमतियों का खतरा बढ़ रहा है। इसके लिए केवल पराली जलाने और किसान कार्यों में छूट पर नियंत्रण जैसे तरीके अपनाते हैं। प्रशासन को प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ सख्ती करनी चाहिए। स्कूलों, सामाजिक संस्थाओं और वार्षिक संगठनों को भी जागरूकता अभियान चलाने चाहिए। स्वच्छ हवा प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। इसके लिए सरकार और समाज को मिलकर ठोस प्रयास करने होंगे।

- संजय सैनी, सोनीपत

ट्रेंड

गुणी व्यक्ति



जो अपनी प्रतिभा के प्रति हमेशा सजग रहते हैं, और जो इसका सदा सदुपयोग ही करते हैं, तथा जो कभी भी लाभ के लोभ का शिकार नहीं होते, उन्हें ही वास्तव में सुधी व्यक्ति माना जाता है।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

विकास को गति



दिल्ली के विकासितों को यहां से जिन कठिनाइयों, तकलीफों का सामना करना पड़ रहा है, उन्हें दूर करने के लिए हम हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। हमारी सरकार इन समस्याओं के समाधान के लिए अलग स्तर पर योजनाएं लागू कर रही है। ये प्रयास दिल्ली के विकास को गति दे रहे हैं।

- परवेश साहिब सिंह, पश्चिमी सांसद, दिल्ली

गोशालाओं को अनुदान



मुख्यमंत्री केवल पशुधन संरक्षण का विषय ही नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था और आत्मनिर्भरता का एक मजबूत आधार भी है। उत्तर राज्य भर की 3,000 से अधिक पंजीकृत गोशालाओं को 65.66 करोड़ की अनुदान राशि हस्तांतरित की।

- डॉ. मोहन यादव, सीएम, मध्यप्रदेश

'पीडीए सरकार' बनाएंगे



कुछ ही महीनों में, हम अपनी पीडीए सरकार बनाएंगे और रहन से लखनऊ का तेल उतारेंगे, ताकि किसी भी गरीब, वंचित या पीड़ित व्यक्ति को इस मंहगाई वाली के दौर में आर्थिक न होना पड़े और न ही लाचित होनी पड़े।

-अखिलेश यादव, लखनऊ, सपा

करंट अफेयर

महिलाओं से हर जिम्मेदारी की अपेक्षा, सम्मान देने में समाज पीछे

राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्यू) की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने कहा कि समाज महिलाओं से घर संभालने, आजीविका कमाने, परिवार का सहारा बनने और भावनात्मक संबल देने की अपेक्षा तो करता है, लेकिन इसके बावजूद उनके साथ भेदभाव जारी है। रहाटकर ने महिलाओं के प्रति समाज की सोच में बुनियादी बदलाव की जरूरत पर जोर दिया। सरकारों ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई कानून बनाए हैं, लेकिन केवल कानूनों से अपेक्षित बदलाव नहीं लाया जा सकता। 'मुझे यह देखकर भी थोड़ा आश्चर्य होता है कि समाज महिलाओं से हर चीज की अपेक्षा करता है। चाहे घर की देखभाल की बात हो, इसके लिए मां, पत्नी, बहन या बेटी ही होनी चाहिए।



ऑफ बीट

रबड़ के दस्तानों पर डंपिंग रोधी शुल्क की सिफारिश

वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई डीजीटीआर ने थाईलैंड और मलेशिया से आयात किए जाने वाले चिकित्सा जांच में इस्तेमाल होने वाले रबड़ के दस्तानों पर पांच साल के लिए प्रति एक लाख इकाई पर 565 अमेरिकी डॉलर तक का डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है। एक अधिसूचना में यह जानकारी दी गई है। इस शुल्क से घरेलू विनिर्माताओं को इन दोनों देशों से होने वाले सस्ते आयात से बचाने में मदद मिलेगी। व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने थाईलैंड और मलेशिया के विनिर्माताओं द्वारा इन उत्पादों को भारतीय बाजार में वर्धित तौर पर लागत से कम कीमत पर बेचे जाने के प्रमाण की जांच के बाद यह सिफारिश की है।



संक्षेप

बालू हटाने के विवाद में महिला घायल

जगदीशपुर के पूरे गंगा गांव में मारपीट, जिला अस्पताल रेफर

अमेठी , जगदीशपुर के कमरौली थाना क्षेत्र के पूरे गंगा गांव में मंगलवार शाम बालू हटाने को लेकर विवाद हुआ। मारपीट में अंजू देवी (37) घायल हो गईं। उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया।अंजू देवी, अशोक की पत्नी हैं और पूरे गंगा पलिया पश्चिम की निवासी हैं। जानकारी के अनुसार, मंगलवार दोपहर बाद बालू हटाने को लेकर कहासुनी के बाद दो पक्षों में विवाद हुआ। आरोप है कि मारपीट में अंजू देवी को सर पर गंभीर चोटें आईं। परिजन उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले गए। वहां से मेडिकल जांच और बेहतर इलाज के लिए उन्हें जिला अस्पताल भेजा गया।इंस्पेक्टर मुकेश पटेल ने बताया कि शुरूआती जांच में बालू हटाने को लेकर विवाद की बात सामने आई है। उन्होंने कहा कि अंजू देवी को मेडिकल जांच के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। तहरीर मिलने पर मामले की जांच कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जुआ खेलते 10 लोग गिरफ्तार

पुलिस ने 30,650 रुपए नकद, 11 मोबाइल बरामद

अमेठी , मुसाफिरखाना में पुलिस ने जुआ खेलते 10 लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मौके से 30,650 रुपए नकद, 11 मोबाइल फोन, ताश की 52 पत्तों वाली गड्डी, 2 पर्स और एक टॉर्च जब्त की। तलाशी में 2,810 रुपए भी मिले। पुलिस के मुताबिक, सोमवार रात करीब 11 बजे सब-इंस्पेक्टर सौरभ सिंह यादव पुलिस टीम के साथ इलाके में जांच कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर ने रामलीला मैदान के पीछे, जल निगम की बाउंड्री के अंदर जुआ खेलने की सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और वहां समूह में जुआ खेल रहे लोगों को पकड़ लिया। गिरफ्तार लोगों की पहचान सिद्धार्थ कुमार, सूरज सोनी, शिवा कौशल, दिनेश कुमार, नीरज कुमार, विष्णु, अनूप कुमार, अमित, तरंग कुमार और हर्ष अग्रहरी उर्फ शिवम मामा के रूप में हुई है। सभी मुसाफिरखाना कस्बे और थाना क्षेत्र के निवासी हैं। पुलिस ने मुसाफिरखाना थाने में सार्वजनिक जुआ अधिनियम की धारा 4/13 के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

बालिका से दुष्कर्म की कोशिश का आरोप

दो पक्षों में मारपीट; कई घायल, दो लोग हिरासत में

अमेठी , इन्हौना थाना क्षेत्र के रामनगर कॉलोनी मजरे भीखीपुर में शौच के लिए घर से निकली बालिका के साथ दुष्कर्म की कोशिश का मामला सामने आया है। घटना के बाद दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई, जिसमें बालिका समेत कई लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस मामले की जांच कर रही है। परिजनों के मुताबिक, बालिका घर से शौच के लिए निकली थी। इसी दौरान दो युवकों पर उसे जबरन ले जाने और दुष्कर्म की कोशिश करने का आरोप है।

चिलबिला में श्री गणेश लक्ष्मी पूजा पर भव्य भजन संध्या का आयोजन

वरिष्ठ समाजसेवी आर.के. सिंह ने किया फीता काटकर किया शुभारंभ

अमन लेखनी समाचार



बाबागंज, बहराइच। श्री गणेश लक्ष्मी पूजा के पावन और शुभ अवसर पर श्री गणेश लक्ष्मी पूजा समिति चिलबिला के तत्वावधान में एक भव्य भजन संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्र के जाने-माने वरिष्ठ समाजसेवी ई.आरके सिंह ने फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना और पारंपरिक मंत्रोच्चार के साथ हुई। इसके पश्चात आमंत्रित प्रसिद्ध कलाकारों और भजन गायकों ने एक से बढ़कर एक मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। श्गणपति बाप्पा मोरयाश और श्जय लक्ष्मी माताश के गगनभेदी जयकारों से पूरा पंडाल गूंज उठा। कलाकारों द्वारा प्रस्तुत भजनों पर श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूम उठे।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित वरिष्ठ समाजसेवी ई0 आर.के. सिंह ने आयोजकों और कमेटी के सदस्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और सांस्कृतिक धरोहर को जीवित रखने का कार्य करते हैं। उन्होंने सभी को श्री गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा की शुभकामनाएं दीं और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर कमेटी पदाधिकारियों द्वारा आरके सिंह, रामकुमार शर्मा, विनोद गिरि, विशाल सिंह, अनूप शर्मा, मो0 सहाबु, जीतेन्द्र यादव को अंगवस्त्र और माल्यार्पण कर अतिथिगणों का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, महिलाएं, बच्चे और कमेटी के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया।

मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम में हुआ संशोधन

17 नवंबर से 16 दिसंबर तक प्राप्त किए जाएंगे दावे और आपत्तियां, 4 जनवरी 2027 को होगा अंतिम प्रकाशन

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर/संतोष मिश्रा

बहराइच। भारत निर्वाचन आयोग ने अर्हता तिथि 1 जनवरी 2027 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की समयसारिणी निर्धारित कर दी है। इसके तहत मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन कराने और आपत्तियां दर्ज कराने के लिए निर्धारित तिथियों की घोषणा की गई है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मतदान केंद्रों के युक्तिकरण एवं पुनर्व्यवस्थापन का कार्य 2 नवंबर 2026 से शुरू हो चुका है। निर्वाचक नामावली के आलेख्य का प्रकाशन 17 नवंबर 2026 को किया जाएगा। वहीं, दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि 17 नवंबर से 16 दिसंबर 2026 तक निर्धारित की गई है। प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का निस्तारण 28 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा। इसके बाद 4 जनवरी 2027 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा। जिला मजिस्ट्रेट एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने बताया कि जनपद के सभी सात विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों बलहा (अ.जा.), नानपारा, मटेरा, महसी, बहराइच, पयागपुर एवं कैसरगंज की निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिन पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है तथा जो 1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हैं, वे निर्धारित प्रारूप-6 भरकर संबंधित बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) अथवा निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में जमा कर सकते हैं। इसके अलावा भारत निर्वाचन आयोग के ECINET मोबाइल ऐप एवं आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से भी ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। इसी प्रकार, मतदाता सूची में दर्ज नाम, पता अथवा अन्य विवरणों में संशोधन कराने के लिए प्रारूप-8 भरकर आवेदन किया जा सकता है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने जनपद के सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम का लाभ उठाएं और मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के साथ ही त्रुटियों को समय रहते ठीक करा लें।

दीपक जलाने के दौरान नीम के विशाल पेड़ में लगी आग, दूसरे दिन तक धधकता रहा पेड़

दो दमकल वाहन मौके पर पहुंचे, काफी प्रयास के बावजूद आग पर नहीं पाया जा सका काबू

अमन लेखनी समाचार



रुपईडीहा, बहराइच। निधि नगर संकल्प गांव में बीती रात एक अज्ञात महिला द्वारा दीपक जलाने के दौरान नीम के विशाल पेड़ में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पेड़ को अपनी चपेट में ले लिया। हैरानी की बात यह रही कि पेड़ दूसरे दिन तक धू-धू कर जलता और सुलगता रहा। घटना की सूचना पर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन काफी मशक्कत के बावजूद आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका। खबर लिखे जाने तक दो दमकल वाहन मौके पर पहुंचकर वापस लौट चुके थे, लेकिन पेड़ के अंदर आग लगातार सुलग रही थी। गांव के प्रधान पद के प्रत्याशी राजू अली ने बताया कि आग बुझाने के लिए काफी प्रयास किए गए, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। पेड़ में लगातार आग सुलगने से ग्रामीणों में चिंता बनी हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन और दमकल विभाग से आग पर पूरी तरह काबू पाने तथा आसपास के क्षेत्र को सुरक्षित करने की मांग की है।

अंबेडकर पार्क में गौतम बुद्ध की मूर्ति तोड़ी

स्कूल खुलने पर प्रिंसिपल ने दी सूचना, लगाई जाएगी नई मूर्ति

अमन लेखनी समाचार



सुल्तानपुर , अहिमाने गांव स्थित अंबेडकर पार्क में सोमवार-मंगलवार की रात भगवान गौतम बुद्ध की मूर्ति तोड़ दी गई। मंगलवार सुबह घटना की जानकारी मिलने पर ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। सूचना पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने आरोपियों को पकड़ने और पार्क में नई मूर्ति लगाने की मांग की है।

स्कूल की प्रिंसिपल ने टूटी मूर्ति देखकर दी सूचना

पार्क के पास स्थित सिद्धार्थ स्कूल मंगलवार सुबह खुला था। प्रार्थना की तैयारी के दौरान प्रिंसिपल रेनू गौतम ने मूर्ति टूटी देखी। उन्होंने सुबह करीब 9:30 बजे डायल 112 पर सूचना दी। इसके बाद थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। लंभुआ के उड ऋतिक कपूर ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। घटना की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण वहां जुट गए। ग्रामीणों ने आरोपियों को ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया जा रहा है। ग्रामीणों की सहमति से वहां दूसरी मूर्ति लगाई जा रही है। मौके पर शांति बनी हुई है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

एसपी ने आधी रात तीन इलाकों में चेकिंग की

ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत संदिग्ध लोगों और वाहनों की जांच

अमन लेखनी समाचार



अमेठी , एसपी सरवणन टी. ने ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत देर रात करीब 3 बजे अमेठी, मुंशीगंज और मुसाफिरखाना में संदिग्ध लोगों और वाहनों की जांच की। पुलिस ने अमेठी के सगरा तिराहे और मुंशीगंज के पनियार चौराहे पर चेकिंग की। मुसाफिरखाना में भी पुलिस टीम ने जांच की। एसपी ने चेकिंग पॉइंट पर तैनात पुलिसकर्मियों और पीआरवी की ड्यूटी भी जांची। उन्होंने अपराध रोकने के लिए सतर्कता से चेकिंग करने और लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। आम लोगों से शालीनता से पेश आने को भी कहा। ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत जिले के सभी थानों की पुलिस सीमा और अंदरूनी मुख्य सड़कों, चौराहों और संवेदनशील जगहों पर चेकिंग पॉइंट बनाकर जांच कर रही है। पुलिस बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, तीन सवारी और वैध कागजात के बिना चलने वाले वाहनों की जांच कर रही है। खराब या बिना नंबर प्लेट और काली फिल्म वाले वाहनों पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। एसपी के अचानक सड़क पर पहुंचने से पुलिसकर्मियों में हलचल रही। स्थानीय लोगों ने पुलिस की कार्रवाई की सराहना की।

हत्या समेत 15 मामलों का आरोपी हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

पुलिस ने तमंचा और कारतूस के साथ में पकड़ा, स्कॉर्पियो सीज

अमन लेखनी समाचार



अमेठी , पुलिस ने चेकिंग के दौरान हिस्ट्रीशीटर करमजीत उर्फ जिल्लू को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से एक देशी तमंचा और 12 बोर के दो जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ हत्या, मारपीट, एनडीपीएस एक्ट और आर्म्स एक्ट समेत 15 मुकदमे दर्ज हैं।

मुखबिर की सूचना पर स्कॉर्पियो सवार को पकड़ा

पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. के निर्देश पर ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत अपराधियों की तलाश और चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान थाना भाले सुल्तान शहीद स्मारक पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर देर रात स्कॉर्पियो सवार करमजीत को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान करमजीत उर्फ जिल्लू पुत्र सत्य शरण सिंह निवासी गाजनपुर, थाना भाले सुल्तान शहीद स्मारक, अमेठी के रूप में हुई है।

कागजात नहीं दिखाने पर स्कॉर्पियो सीज

पुलिस के मुताबिक, करमजीत स्कॉर्पियो के कागजात नहीं दिखा सका। इसके बाद पुलिस ने वाहन संख्या यूपी 32 एचटी 0370 को सीज कर दिया। आरोपी के खिलाफ जिले में हत्या, मारपीट, एनडीपीएस एक्ट और आर्म्स एक्ट के तहत 15 मामले दर्ज हैं। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक अजयेन्द्र कुमार पटेल, उपनिरीक्षक त्रिपुरारी शरण सिंह, हेड कांस्टेबल राघवेन्द्र यादव और कांस्टेबल योगेश कुमार शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

मीरपुर में दो पक्षों में मारपीट

तमंचे की बट से हमला; पुलिस ने दोनों की शिकायत पर दर्ज की एफआईआर

अमन लेखनी समाचार



अलीगढ़ ,हरदुआगंज थाना क्षेत्र के गांव मीरपुर में दो पक्षों के बीच विवाद के बाद मारपीट हो गई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमला करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। एक पक्ष का आरोप है कि तमंचे की बट और धारदार हथियारों से हमला किया गया। वहीं, दूसरे पक्ष ने घर में घुसकर मारपीट और महिलाओं से अभद्रता करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर क्रॉस एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पहले पक्ष ने 11 लोगों पर लगाया हमले का आरोप

गांव मीरपुर निवासी समीर पुत्र सहजुद्दीन ने पुलिस को बताया कि 8 नवंबर की शाम करीब 7 बजे वह अलीगढ़ से काम करके घर लौट रहा था। मीरपुर चौराहे पर जीतेन्द्र, मोहित, भूपेंद्र उर्फ खिल्ला समेत 11 लोगों ने उसे घेर लिया। आरोप है कि हमलावरों ने तमंचे की बट और धारदार हथियारों से हमला कर दिया। इसमें समीर, उसके ताऊ नहिमुद्दीन और फिरोज घायल हो गए। नहिमुद्दीन के सिर में गंभीर चोट आई। उन्हें 18 से 20 टांके लगे। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी।

दूसरे पक्ष ने घर में घुसकर मारपीट का आरोप लगाया

वहीं, दूसरे पक्ष के जितेंद्र पुत्र स्व. डालचंद ने बताया कि 8 नवंबर की शाम करीब 5:30 बजे उनका बेटा मोहित, सचिन और उनके साथी कलाई से मिठाई लेकर लौट रहे थे। कोठी चौराहे पर समीर, रिहान, फिरोज, शाहरुख समेत सात नामजद और पांच अज्ञात लोगों ने उन्हें घेरकर मारपीट की। आरोप है कि बीच-बचाव करने पहुंचे जितेंद्र के सिर पर नज्जो ने तमंचे की बट से हमला कर दिया। इसके बाद जब जितेंद्र थाने जा रहे थे, तभी आरोपी उनके घर में घुस आए। परिवार के लोगों के साथ मारपीट की और महिलाओं से अभद्रता व छेड़छाड़ की। शोर सुनकर लोग पहुंचे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए।

दोनों पक्षों की एफआईआर दर्ज

पुलिस ने सोमवार को समीर की तहरीर पर 11 लोगों के खिलाफ और जितेंद्र की तहरीर पर सात नामजद समेत पांच अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

दोनों मामलों की जांच उपनिरीक्षक रोहित कुमार को सौंपी गई है।

बारूद भरी लोहे की नाल फटने से किशोर घायल

मथुरा में पुलिस ने छापा मारकर जब्त कीं

अमन लेखनी समाचार



मथुरा , लोहे की नाल में बारूद भरकर पटाखे की तरह धमाका करने के दौरान हुए विस्फोट में 17 वर्षीय किशोर के गंभीर रूप से घायल होने के बाद मथुरा पुलिस एक्शन में आ गई है। हादसे के बाद पुलिस ने खतरनाक तरीके से धमाके करने में इस्तेमाल होने वाली लोहे की नालों के खिलाफ अभियान छेड़ दिया है। इसी क्रम में मंगलवार को शहर कोतवाली क्षेत्र के कृष्णानगर में पुलिस ने छापेमारी कर सड़क किनारे से भारी मात्रा में लोहे की नाल बरामद की हैं। दरअसल, दो दिन पहले लोहे की नाल में बारूद भरकर धमाका करने के दौरान अचानक जोरदार विस्फोट हो गया था। इसकी चपेट में आने से 17 वर्षीय किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया और ऐसे खतरनाक उपकरणों की बिक्री तथा इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी। स्थानीय भाषा में इन लोहे के उपकरणों को नाल कहा जाता है। इन्हें लोहे के पाइप अथवा मजबूत लोहे की छड़ों से तैयार किया जाता है। इनमें बारूद भरकर धमाका किया जाता है। धमाके की आवाज इतनी तेज होती है कि आसपास के इलाके तक गूंज उठते हैं। कई बार इनका इस्तेमाल करते समय विस्फोट होने से गंभीर हादसे हो जाते हैं। किशोर के घायल होने की घटना ने इस खतरनाक तरीके से धमाके करने के चलन पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस अब ऐसे स्थानों को चिह्नित कर रही है, जहां लोहे की नाल बनाई या बेची जाती हैं। इसके लिए अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर नालों को जब्त किया जा रहा है। साथ ही इनके निर्माण और बिक्री से जुड़े लोगों की जानकारी भी जुटाई जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई का उद्देश्य खतरनाक तरीके से धमाके करने पर रोक लगाना और भविष्य में इस तरह के हादसों को रोकना है।

बाइक-स्कूटी की टक्कर में युवक की मौत

विश्वनाथगंज के पास हादसे में दो बाइक सवार घायल, प्रयागराज रेफर

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , कंधई के गहरी चक गांव के फरीद अहमद उर्फ कलीम (43) की देल्हूपुर थाना क्षेत्र के विश्वनाथगंज बाजार के पास सड़क हादसे में मौत हो गई। बाइक और स्कूटी की आमने-सामने टक्कर में बाइक सवार सूरज सरोज (22) और अजय सरोज (35) भी घायल हुए। दोनों को गंभीर हालत में प्रयागराज रेफर किया गया। फरीद कुछ दिन पहले अपने बड़े बेटे का पथरी का ऑपरेशन प्रयागराज के एक डॉक्टर की देखरेख में करा चुके थे। बेटे को अस्पताल से छुट्टी दिलाकर उन्होंने पत्नी और बेटे को बस में बैठाया और स्कूटी से घर लौट रहे थे। प्रयागराज-अयोध्या हाईवे पर विश्वनाथगंज बाजार के पास सामने से आ रही बाइक फरीद की स्कूटी से टकरा गई। सूचना पर पहुंची देल्हूपुर पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से तीनों घायलों को राजा प्रताप बहादुर अस्पताल पहुंचाया। वहां इलाज के दौरान फरीद की मौत हो गई। फरीद की मौत की खबर गहरी चक गांव पहुंची तो उनके परिजन रोने लगे। अस्पताल पहुंची उनकी पत्नी मैसर जहां भी रोने लगीं। फरीद के दो बेटे कसब और असफ, और दो बेटियां इसरा और नाज हैं। वह अपने माता-पिता की इकलौती संतान थे।



54 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया

मौर्य सभा के 30वें समारोह में हाईस्कूल और इंटर के मेधावियों को मिले पुरस्कार, विद्यार्थियों को करियर की जानकारी भी दी गई

अमन लेखनी समाचार



प्रतापगढ़ ,मौर्य सभा के 30वें प्रतिभा सम्मान समारोह में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के 54 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। ये विद्यार्थी 60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक लाए थे। समारोह मंगलवार को प्रताप बहादुर पार्क स्थित निदान केंद्र में हुआ। कार्यक्रम मौर्य सभा प्रतापगढ़ के तहत बनी माता बदल मौर्य स्मारक प्रतिभा सम्मान समिति ने आयोजित किया। मुख्य अतिथि बौद्ध कम्यून इंटरनेशनल प्रयागराज के प्रबंध निदेशक डॉ. जीएस शाक्य ने पंचशील ध्वज फहराया और भगवान बुद्ध की मूर्ति के सामने दीप जलाकर कार्यक्रम शुरू किया। अध्यक्षता डॉ. दयाराम मौर्य रत्न ने की। इस दौरान महापुरुषों के चित्रों पर फूल चढ़ाए गए और पंचशील ग्रहण किया गया। महापुरुषों के जीवन और विचारों पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई गई। डॉ. जीएस शाक्य ने प्रदर्शनी के जरिए सम्राट अशोक की धम्म लिपि की जानकारी दी। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित डॉ. राधेश्याम मौर्य और राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित ज्ञान प्रकाश मौर्य ने विद्यार्थियों को करियर की जानकारी दी। इंजीनियर अभिषेक मौर्य ने मशीन इंजीनियरिंग के बारे में बताया। डॉ. राहुल शाक्य ने भी करियर संबंधी जानकारी दी। इस मौके पर स्मारिका आलोक पथ का विमोचन हुआ हाईस्कूल के 37 और इंटरमीडिएट के 17 विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र और उपहार दिए गए। पालि विषय से परीक्षा पास करने वाले 28 परीक्षार्थियों को भी सम्मानित किया गया। इंटरमीडिएट में 92.80 प्रतिशत अंक पाने वाले यश मौर्य और हाईस्कूल में 91.66 प्रतिशत अंक पाने वाले ओम मौर्य को विशेष पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शिवमूर्ति लाल मौर्य ने किया।

संक्षेप

दीपावली पर प्रदूषण कम करने के लिए पानी का छिड़काव

रायबरेली डीएम के निर्देश पर नगर पालिका की टीमें अलर्ट

रायबरेली ,दीपावली पर पटाखों से बढ़ने वाले वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए नगर पालिका प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के निर्देश पर शहर की प्रमुख सड़कों और सार्वजनिक स्थलों पर स्प्रिंकलर मशीनों से पानी का छिड़काव कराया जा रहा है। प्रमुख सड़कों पर चल रहा अभियान अधिशासी अधिकारी (ईओ) स्वर्ण सिंह के नेतृत्व में नगर पालिका की टीमें लगातार अलग-अलग क्षेत्रों में पहुंचकर सड़कों और आसपास के इलाकों में पानी की फुहारें छोड़ रही हैं। अधिक आवाजाही वाले शहरी क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है धूल के कणों को नीचे बैठाने का प्रयासनगर पालिका प्रशासन के अनुसार, पानी के छिड़काव का उद्देश्य वातावरण में मौजूद धूल के कणों को नीचे बैठाना और प्रदूषण के प्रभाव को कम करने में सहयोग करना है। दीपावली के दौरान पटाखों से निकलने वाले धुएं के कारण वायु गुणवत्ता प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए यह अभियान चलाया जा रहा है। नगर पालिका प्रशासन ने बताया कि त्योहार के दौरान शहर में साफ-सफाई और प्रदूषण नियंत्रण के प्रयास जारी रहेंगे। इस पहल के जरिए नागरिकों को अपेक्षाकृत स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

भाकियू कार्यकताओं ने 16-नवंबर को पुतला दहन की चेतावनी दी

40 लोगों पर दर्ज मुकदमा वापस लेने और राजस्व कर्मियों पर कार्रवाई की मांग

पुवायाँ ,पुवायां में भाकियू चढूनी के कार्यकताओं ने जिलाध्यक्ष समेत 40 लोगों पर मुकदमा दर्ज होने के विरोध में बैठक की। कार्यकताओं ने एसडीएम के खिलाफ नारे लगाए और राजस्व कर्मियों पर कार्रवाई की मांग की। डाक बंगला स्थित संगठन कार्यालय में हुई बैठक के बाद कार्यकताओं ने अधिकारियों को तहरीर दी। उन्होंने कहा कि शिकायत पर मुकदमा दर्ज नहीं हुआ तो 16 नवंबर को जिलेभर के गली-मोहल्लों में पुतला दहन करेंगे। कार्यकताओं ने 40 लोगों पर दर्ज मुकदमा वापस लेने की मांग भी की। तहरीर के मुताबिक, बद्रीपुर हदीरा गांव के नरवेश कुमार संगठन में तहसील सचिव हैं। उनके खेत गांव के शिव मंदिर के पास हैं। आरोप है कि गांव के राजेश, राकेश और राजेंद्र पुत्र डोरीलाल ने गाटा संख्या 244 में दर्ज मंदिर के रास्ते पर कब्जा कर रखा था। कब्जा हटवाने की मांग को लेकर नरवेश ने भाकियू चढूनी के बैनर तले शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया था। तहरीर में कहा गया है कि उपजिलाधिकारी पुवायां ने विवादित कानूनगो चंद्रिका प्रसाद को मौके पर नहीं भेजने की बात कहकर एक टीम बनाई थी। 4 नवंबर को नायब तहसीलदार और लेखपाल ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाया। उस समय नरवेश के खेत में बोरिंग अतिक्रमण की जद में नहीं थी आरोप है कि 5 नवंबर को नायब तहसीलदार अमित कुमार, लेखपाल देशदीपक वर्मा, प्रदीप कुमार और कानूनगो चंद्रिका प्रसाद फिर मौके पर पहुंचे।

हाइड्रा की टक्कर से घायल भट्ठा मुनीम की उपचार के दौरान हुई मौत

अमन लेखनी समाचार



फतेहपुर , जनपद के जाफरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत एक भट्ठा मुनीम की हाइड्रा से टक्कर हो जाने के बाद मौत हो गई मिली जानकारी के अनुसार विगत दिवस सोमवार शाम समय थाना क्षेत्र के इटरा पेट्रोल पंप के समीप एक हाइड्रा चालक ने साइकिल सवार भट्ठा मुनीम 38 वर्षीय नरेश पटेल निवासी गांव मकंदीपुर थाना चांदपुर को भीषण टक्कर मार दी पीछे से लगी टक्कर के बाद मुनीम नरेश गंभीर रूप से घायल हो गया वही हाइड्रा गाड़ी का चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया सूचना पर पहुंची पुलिस प्रशासन थाना जाफरगंज में घायल नरेश को एंबुलेंस के माध्यम से नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिंदकी भेजा जहां इलाज के चलते मुनीम की मौत हो गई यह जानकारी जैसे ही परिजनों को मिली तो घर में कोहराम मच गया वहीं पुलिस प्रशासन में शव का पंचनामा करते हुए पोस्टमार्टम के लिए फतेहपुर भेजा जानकारी लेने पर जाफरगंज थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक नरेश पटेल नया पुरवा गांव में संचालित आर जी ईट भट्ठा मे मुनीम था वह साइकिल से मांझेपुर बाजार जा रहा था तभी पीछे से एक हाइड्रा चालक ने टक्कर मार दी चालक फरार है जबकि गाड़ी कब्जे में ले ली गई है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने की पश्चात परिजनों द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी

धूमधाम से मनाया गया जनपद का स्थापना दिवस लगे जयकारे



200 वर्ष पूरे होने पर महापुरुषों को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर ,जनपद के बिंदकी तहसील अंतर्गत भारतवर्ष की इतिहास के स्वर्ण अक्षरों पर लिखा जाने वाला नाम खजुहा 52 इमली शहीद स्मारक स्थल में फतेहपुर जनपद का 200 वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया कार्यक्रम में पहुंचे जनपद वासियों ने राष्ट्रगान करते हुए देश की आजादी के लिए अपने प्राणों को न्योछावर कर देने वाले सभी अमर सपूतो समेत अमर शहीद जोधा सिंह अटैय्या तथा 52 वीर महापुरुषों के शहादत को स्मरण करते हुए सभी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया इस मौके पर बालाजी सेवा न्यास के अध्यक्ष लक्ष्मीचंद्र उर्फ मोना रजनीकांत अवस्थी रिंकू तिवारी दीपक सिंह चौहान शिव शंकर सिंह परिहार लोकमणि मिश्र आशीष तिवारी पूरन सिंह समेत भारी संख्या में क्षेत्रीय एवं जनपद के नागरिक मौजूद रहे

पीड़िता मां की गुहार को सुनते हुए दुष्कर्मी युवक को प्रशासन ने भेजा जेल

अमन लेखनी समाचार



फतेहपुर , जनपद के किशुनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव निवासिनी नाबालिक किशोरी के साथ किशुनपुर कस्बा निवासी युवक रोशनलाल द्वारा दुराचार करते हुए अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने के आरोप में प्रशासन ने मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया मिली जानकारी के अनुसार नाबालिक युवती की मां ने नजदीकी थाना किशुनपुर में शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई थी जहां मां ने आरोप लगाया कि युवक रोशन लाल उसकी नाबालिक बेटी का अश्लील वीडियो बनाकर निरंतर उसे ब्लैकमेल करता रहा कस्बे में संचालित एक कोचिंग सेंटर में युवक लगातार किशोरी को ब्लैकमेल करके बुलाता रहा तथा लगातार दुष्कर्म को अंजाम देता रहा वही भयभीत किशोरी ने अपने घर में भी निरंतर हुई घटनाओं की जानकारी नहीं दी काफी समय से आहत होने के बाद नाबालिक बेटी ने दीपावली त्योहार के दिवस अपनी मां को पूरी घटना बताई जहां मां ने नजदीकी थाने में तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई थाना प्रभारी मनीष सिंह ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर खोजबीन करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार किया ।

कार का पीछा कर गोली मारने वाला एक आरोपी गिरफ्तार

रेलवे स्टेशन के पास दो गाड़ियों की टक्कर के बाद हुआ था विवाद

अमन लेखनी समाचार



देवरिया, रेलवे स्टेशन के पास दो गाड़ियों की मामूली टक्कर के बाद हुए विवाद में युवक को गोली मारने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी निसार अहमद (26) निवासी रामनाथ, देवरिया को सोमवार शाम करीब चार बजे कोतवाली तिराहे के पास से पकड़ा गया। वह नियाज अहमद का बेटा है।

टक्कर के बाद कार का पीछा कर चलाई गोली

पुलिस के मुताबिक, 8 नवंबर की सुबह करीब तीन बजे रेलवे स्टेशन के पास सूरज सिंह की कार की एक स्कॉर्पियो से हल्की टक्कर हो गई थी। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि स्कॉर्पियो सवार लोगों ने सूरज सिंह की कार का पीछा किया और उस पर गोली चला दी। गोली कार में मौजूद सूरज सिंह के भतीजे देव सिंह को लगी। घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

तीन नामजद समेत छह पर दर्ज हुआ था केस

सूरज सिंह की शिकायत पर पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों समेत छह लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास और अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस के अनुसार, निसार घटना के बाद से फरार चल रहा था।दो नामजद आरोपियों की तलाश जारीमामले में नामजद आरिफ और आसिफ अब भी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। क्षेत्राधिकारी नगर संजय कुमार रेड्डी ने बताया कि मामले में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। अन्य फरार आरोपियों को पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

बाथरूम में मिला महिला का 2 दिन पुराना शव

चेहरे पर चोट के निशान, गोरखपुर पुलिस हत्या के एंगल पर कर रही जांच

अमन लेखनी समाचार



गोरखपुर , शाहपुर क्षेत्र की आवास विकास कालोनी में रविवार देर रात एक मकान के बाथरूम में 70 वर्षीय जमीला देवी का शव मिलने से सनसनी फैल गई। वह अपनी मानसिक रूप से अस्वस्थ बेटी के साथ घर में रहती थीं। शव दो दिन से बाथरूम में पड़ा था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर के पिछले हिस्से में चोट लगने से मौत की पुष्टि हुई है। चेहरे, ठुड्डी और दाईं आंख के ऊपर भी चोट के निशान मिले हैं। ऐसे में पुलिस हत्या और हादसे समेत सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। जमीला देवी की एक बेटी की शादी हो चुकी है, जबकि बेटा दानिश दुबई में रहता है। घर में उनके साथ मानसिक रूप से अस्वस्थ बेटी रहती थी। रविवार को बेटी ने अपनी बड़ी बहन को मां के बारे में जानकारी दी। इसके बाद बड़ी बेटी रात 9:30 बजे घर पहुंची तो मुख्य दरवाजा अंदर से बंद मिला। काफी प्रयास के बाद भी दरवाजा नहीं खुला तो उसने पुलिस को सूचना दी।

फर्श पर पड़ा था शव

मौके पर पहुंची शाहपुर पुलिस ने दरवाजा खुलवाया तो बाथरूम में जमीला देवी का शव फर्श पर पड़ा मिला। शव से दुर्गंध आ रही थी। उनकी एक आंख क्षतिग्रस्त थी और ठुड्डी के नीचे कुतरने जैसे निशान थे। शुरूआत में आशंका जताई गई कि शव को चूहों ने क्षतिग्रस्त किया होगा। हालांकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर के पिछले हिस्से में चोट को मौत का कारण बताया गया है।

मकान को लेकर चल रहा था विवाद

स्थानीय लोगों के मुताबिक, जमीला देवी का एक अन्य मकान विशाल शामियाना हाउस के सामने है, जहां किरायेदार रहते हैं। आरोप है कि उनका बेटा मकान बेचना चाहता था, जबकि जमीला देवी इसके पक्ष में नहीं थीं। पुलिस इस बिंदु पर भी जानकारी जुटा रही है कि संपत्ति को लेकर परिवार में कोई विवाद तो नहीं था।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर जांच

पुलिस का कहना है कि महिला की मौत की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और परिवार के सदस्यों से पूछताछ के आधार पर यह स्पष्ट करने का प्रयास किया जा रहा है कि मौत दुर्घटनावश हुई।

या इसके पीछे कोई आपराधिक साजिश है।

नाबालिग ने रायबरेली में बच्ची को दिया जन्म

मां-बेटी स्वस्थ, दुष्कर्म के आरोप में 3 महीने पहले जेल भेजा गया था आरोपी

अमन लेखनी समाचार



अमेठी ,शिवरतनगंज थाना क्षेत्र की नाबालिग ने रायबरेली के महिला जिला अस्पताल में बच्ची को जन्म दिया है। मां और नवजात दोनों स्वस्थ हैं। मामले में दुष्कर्म के आरोपी गौरव को पुलिस करीब तीन महीने पहले गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। आरोपी नाबालिग का रिश्ते में चचेरा मामा का बेटा बताया जा रहा है।

गर्भवती होने पर शादी से इनकार का आरोप

परिजनों के मुताबिक, आरोपी गौरव ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया था। पीड़िता ने इसकी जानकारी परिवार को दी थी। परिजनों का कहना है कि उन्होंने दोनों के बालिग होने पर शादी कराने का प्रस्ताव आरोपी के परिवार के सामने कई बार रखा, लेकिन वे तैयार नहीं हुए। इसके करीब चार महीने बाद उन्हें पता चला कि बेटी पांच महीने की गर्भवती है। इसके बाद उन्होंने शिवरतनगंज थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा था जेल

परिजनों के अनुसार, पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर नाबालिग के बयान के आधार पर कार्रवाई की और करीब तीन महीने पहले आरोपी गौरव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। बीते दिनों नाबालिग को प्रसव के लिए रायबरेली के महिला जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

लड़कियों की तस्करी करने वाला गैंग पकड़ा

15 दिन से बंधक किशोरी को छुड़ाया, राजस्थान में बेचने की थी तैयारी

अमन लेखनी समाचार



प्रयागराज ,लड़कियों की खरीद-फरोख्त करने वाले गैंग का पुलिस ने खुलासा किया है। गिरोह के सदस्य रेलवे स्टेशनों के आसपास अकेली या घर से भागी लड़कियों को मदद का झांसा देकर अपने जाल में फंसाते थे। इसके बाद उन्हें बंधक बनाकर दूसरे राज्यों में बेच दिया जाता था। इस बार गैंग ने करछना की एक किशोरी को निशाना बनाया। उसे नैनी के कसाई मोहल्ले में करीब 15 दिन से बंधक बनाकर रखा गया था। राजस्थान में उसका सौदा करने की तैयारी थी, लेकिन किशोरी ने मौका पाकर अपने प्रेमी को फोन कर दिया। इसके बाद पुलिस ने मोबाइल लोकेशन ट्रेस कर छापा मारा और उसे सकुशल छुड़ा लिया। पुलिस ने कथित गैंग सरगना बीना देवी समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

24 अक्टूबर को प्रेमी के साथ घर से निकली थी किशोरी

पुलिस के मुताबिक, किशोरी 24 अक्टूबर को अपने प्रेमी के साथ घर से चली गई थी। प्रेमी उसे नैनी के अरैल स्थित उसकी सहेली के घर छोड़कर चला गया। अगले दिन सहेली उसे मेवालाल बगिया ले गई। वहां से किशोरी ने प्रेमी को फोन किया तो वह उसे अपने साथ ले गया। हालांकि, अगले दिन प्रेमी उसे छिवकी रेलवे स्टेशन पर छोड़कर घर लौट आया।

स्टेशन पर अकेली मिली तो मदद का दिया झांसा

छिवकी रेलवे स्टेशन पर अकेली मिली किशोरी की मुलाकात पतेवरा निवासी राजेंद्र कुमार से हुई। आरोप है कि राजेंद्र ने मदद का भरोसा दिलाकर उसे नैनी के कसाई मोहल्ले में रहने वाली बीना देवी के घर पहुंचा दिया। वहां किशोरी को बंधक बना लिया गया। इसके बाद उसे राजस्थान में बेचने की तैयारी होने लगी। पुलिस के मुताबिक, इस नेटवर्क में श्याम नाम का व्यक्ति भी शामिल है।

प्रेमी को फोन करते ही सक्रिय हुई पुलिस

गिरोह के चंगुल में फंसी किशोरी ने किसी तरह अपने प्रेमी से संपर्क किया और मदद मांगी। प्रेमी ने पुलिस को उस मोबाइल नंबर की जानकारी दी, जिससे फोन आया था। पुलिस ने नंबर की लोकेशन ट्रेस की तो किशोरी के नैनी के कसाई मोहल्ले में होने का पता चला। इसके बाद पुलिस टीम ने दबिश देकर उसे छुड़ा लिया। मौके से बीना देवी, राजेंद्र कुमार और वाहन चालक सुनील कुमार पाल को गिरफ्तार किया गया ।हरियाणा, महोबा और राजस्थान में तीन लड़कियों को बेचने का खुलासा पुलिस पूछताछ में गिरोह के अन्य मामलों की जानकारी भी सामने आई है।

बेसिक शिक्षा निदेशक पर एफआईआर

पीएनपी कर्मचारी बोला- लीव पर रहने के दौरान सर्विस बुक में बैकडेट से एंट्री की गई

अमन लेखनी समाचार



प्रयागराज ,बेसिक शिक्षा निदेशक अनिल भूषण चतुर्वेदी समेत 2 लोगों पर एफआईआर दर्ज हुई है। आरोप है कि उनके परीक्षा नियामक प्राधिकारी कार्यालय में सचिव के पद पर तैनात रहने के दौरान एक कर्मचारी की सर्विस बुक में जालसाजी की गई। कर्मचारी के मेडिकल लीव पर रहने के दौरान उनकी सर्विस बुक में बैक डेट से एंट्री कर दी गई। इतना ही नहीं, जिस डेट में यह एंट्री दिखाई गई, उस समय कर्मचारी के खिलाफ कोई विभागीय कार्रवाई भी नहीं चल रही थी। मामले में कोर्ट के आदेश पर 8 नवंबर को कर्नलगंज थाने में मुकदमा दर्ज की गई है।

दूसरा आरोपी पीएनपी कर्मचारी

शिकायतकर्ता शशि कुमार यादव वर्ष 1995 से 2022 तक परीक्षा नियामक प्राधिकारी कार्यालय में कार्यरत रहे। उन्होंने तत्कालीन सचिव अनिल भूषण चतुर्वेदी और वरिष्ठ सहायक इष्टदेव उपाध्याय पर सर्विस बुक में हेरफेर करने का आरोप लगाया है। घटना के समय अनिल भूषण चतुर्वेदी परीक्षा नियामक प्राधिकारी के सचिव थे।

24 जून को मंगाई सर्विस बुक, जुलाई में मिली बैकडेट एंट्री

शशि कुमार के मुताबिक, वह एक मार्च से 31 मार्च 2021 तक मेडिकल लीव पर थे। उनका अवकाश सक्षम अधिकारी ने 27 जुलाई 2021 को वेतन सहित मंजूर किया था। आरोप है कि इसी दौरान उनकी सर्विस बुक में 31 मार्च 2021 की तारीख से प्रतिकूल एंट्री कर दी गई। शिकायत में कहा गया है कि 24 जून 2021 को तत्कालीन प्रबंध सहायक से उनकी मूल सर्विस बुक और व्यक्तिगत फाइल लेकर वरिष्ठ सहायक इष्टदेव उपाध्याय ने अपने पास रख ली थी। जबकि कार्यालय आदेश के मुताबिक, उस समय इष्टदेव उपाध्याय केवल क्रय-विक्रय अनुभाग के प्रभारी थे। उनका प्रबंध अनुभाग से कोई संबंध नहीं था। शशि कुमार का दावा है कि 24 जून को जब उनकी सर्विस बुक मंगाई गई थी, तब उसमें कोई प्रतिकूल एंट्री नहीं थी। जुलाई में जब सर्विस बुक और फाइल वापस प्रबंध अनुभाग पहुंची तो उसमें 31 मार्च की तारीख से प्रतिकूल एंट्री दर्ज मिली। उनका आरोप है कि 24 जून से जुलाई के बीच यह हेरफेर किया गया।

22 जून की कॉपी में नहीं थी कोई प्रतिकूल एंट्री

शिकायतकर्ता ने अपने आरोपों के समर्थन में 22 जून 2021 को प्रमाणित सर्विस बुक की कॉपी भी पेश की है। उनका कहना है कि कुलसचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी ने मूल सर्विस बुक से मिलान करने के बाद यह कॉपी प्रमाणित की थी। इसमें 22 जून तक कोई प्रतिकूल एंट्री नहीं थी। इसके अलावा तत्कालीन प्रबंध सहायक अरविंद कुमार साहू के 30 मई 2022 के शपथपत्र का भी हवाला दिया गया है। इसमें बताया गया है कि सचिव के मौखिक आदेश पर इष्टदेव उपाध्याय ने 24 जून 2021 को शशि कुमार की सर्विस बुक और व्यक्तिगत फाइल ली थी। शशि कुमार के मुताबिक, आरटीआई से मिली जानकारी में सामने आया कि प्रतिकूल एंट्री से संबंधित आदेश नौ जुलाई 2021 को भेजा गया था, जबकि उस पर 31 मार्च 2021 की तारीख लिखी थी। रिसीव और डिस्पैच अनुभाग ने भी 31 मई 2022 को बताया था कि उनके रजिस्टर में इस आदेश का कोई डिस्पैच नंबर दर्ज नहीं है। तबादले के बाद भी सचिव की भूमिका पर सवालशिकायत में तत्कालीन सचिव अनिल भूषण चतुर्वेदी की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं।

घर के अंदर फंदे पर लटका मिला विवाहिता का शव

शाहजहांपुर में पति पर हत्या का आरोप, 10 साल पहले हुई थी शादी

अमन लेखनी समाचार



शाहजहांपुर ,निगोही थाना क्षेत्र के पचदेवरा गांव में सोमवार रात करीब 12 बजे महेश्वरी देवी का शव घर में फांसी के फंदे पर लटका मिला। सूचना पर पहुंचे मायके पक्ष ने पति पर हत्या कर शव फंदे पर लटकाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। महेश्वरी देवी पीलीभीत जिले के बरखेड़ा थाना क्षेत्र के जरियूनिया गांव की रहने वाली थीं। करीब 10 साल पहले उनकी शादी निगोही थाना क्षेत्र के पचदेवरा गांव निवासी पंकज से हुई थी। उनके दो बेटे हैं। बड़ा बेटा ऋषि 9 साल और छोटा बेटा ऋषभ 7 साल का है। पति पर मारपीट और प्रताड़ना का आरोप परिजनों का आरोप है कि पंकज अक्सर महेश्वरी के साथ मारपीट करता था और उन्हें कमरे में बंद करके पीटता था। सोमवार रात ससुराल पक्ष ने मायके वालों को महेश्वरी का शव घर में फंदे पर लटका मिलने की सूचना दी। महेश्वरी की बहन ने बताया कि सोमवार सुबह उनकी वीडियो कॉल पर बात हुई थी। उस दौरान महेश्वरी ने बताया था कि पति भाईदूज पर उन्हें मायके लाने से मना कर रहे हैं।

कर्ज बढ़ा तो दुकानदार ने पत्नी को मार डाला

11 साल की बेटी का भी गला दबाया, बोला- सभी को मारकर सुसाइड कर लेता

अमन लेखनी समाचार



शाहजहांपुर , दुकानदार पति ने पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। 11 साल की बेटी को भी गला दबाकर मारने की कोशिश की। पिता की हैवानियत देखकर 16 साल की दूसरी बेटी डर गई। उसने खुद को कमरे में बंद कर जान बचाई। इसके बाद कमरे से अपने चाचा को कॉल कर पूरी बात बताई। चाचा की सूचना पर पहुंची पुलिस मां-बेटी को मेडिकल कॉलेज ले गई। वहां पत्नी की मौत हो गई, जबकि छोटी बेटी की हालत गंभीर है। वह कउव में भर्ती है। वहीं, यह सब करने के बाद भी पिता भागा नहीं, घर में ही बैठा रहा। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को पिता ने बताया कि उसकी दुकान नहीं चलती थी। इसलिए वह पूरे परिवार को मारकर खुद भी सुसाइड करने वाला था। घटना जिला मुख्यालय से 10 किमी दूर रोजा थाना क्षेत्र की सोमवार रात 1 बजे की है। आदर्श नगर कॉलोनी में कमलेश, पत्नी सीमा (40) और बेटियों कोमल उर्फ अनन्या (16) और अंजलि (11) के साथ रहता है। कमलेश परिवार के साथ घर की ऊपरी मंजिल पर रहता था। उसके पिता और परिवार के लोग नीचे रहते हैं। कमलेश की घर के पास ही इलेक्ट्रॉनिक की दुकान है। वह इन दिनों कारोबार को लेकर परेशान था। उस पर लाखों रुपए का कर्ज भी था। इसी बात को लेकर सोमवार रात 12:30 बजे पति-पत्नी के बीच झगड़ा हो गया। इसके बाद कमलेश ने पत्नी और बेटियों को पीटना शुरू कर दिया। उसने पत्नी को फर्श पर गिराकर उसका गला घोंट दिया। मां की चीख सुनकर छोटी बेटी अंजलि उसे बचाने पहुंची, तो कमलेश ने उस पर भी हमला कर दिया। इसके बाद वह बड़ी बेटी कोमल की ओर दौड़ा, लेकिन उसने खुद को कमरे में बंद कर लिया।

कार-बाइकों से आए 25 लोगों ने युवकों को पीटा

शाहजहांपुर में 3 युवक घायल, पुलिस चौकी में मारपीट का आरोप

अमन लेखनी समाचार



शाहजहांपुर ,काशीराम कॉलोनी में मंगलवार शाम करीब चार बजे कार और बाइकों से आए 20 से 25 लोगों ने युवकों पर लाठी-डंडों और लात-घूंसों से हमला कर दिया। मारपीट में तीन युवकों को चोटें आई हैं। आरोप है कि हमलावरों ने पुलिस चौकी के अंदर भी घुसकर मारपीट की। घटना के वीडियो सामने आए हैं।

आकाश के घर पहुंचे थे हमलावर

घटना थाना कोतवाली क्षेत्र की है। मंगलवार शाम हमलावर आकाश के घर पहुंचे। वहां आकाश नहीं मिला तो आरोपियों ने एक महिला के साथ मारपीट की। इसके बाद आकाश, अतुल, अरुण और मुकुल को पीटा। मारपीट के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। स्थानीय लोगों ने हमलावरों की एक कार पकड़ ली। कार के अंदर डंडे रखे दिखाई दिए। लोगों ने कार में तोड़फोड़ करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया रक्षाबंधन पर थूकने को लेकर हुआ था विवाद स्थानीय लोगों के मुताबिक, रक्षाबंधन पर आकाश का कॉलोनी में रहने वाले दूसरे पक्ष से थूकने को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद से आरोपी उससे रंजिश रखने लगे थे। आरोप है कि अतुल शिकायत करने पुलिस चौकी पहुंचा तो हमलावर वहां भी घुस गए और उसके साथ मारपीट करने लगे। इसके बाद आरोपी फरार हो गए।

गरौठा में नगर पंचायत अध्यक्ष ने गौशाला में किया गो-पूजन, गायों को खिलाई हरी घास और फल



अमन लेखनी समाचार

गरौठा (झांसी) दीपावली के उपरांत नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ. अरुण कुमार मिश्रा द्वारा कान्हा गौशाला गरौठा में गो-पूजन का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर गौशाला में मौजूद गायों को विधि-विधान से पूजा करने के बाद हरी घास, गुड़ और ताजे फल खिलाए गए। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित आम जनता और नागरिकों को संबोधित करते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ. अरुण कुमार मिश्रा ने गो-संरक्षण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा, ₹गाय हमारी माता है और हम सभी के लिए पूजनीय है। हम सभी को इनके संरक्षण और देखभाल के लिए बढ़-चढ़कर कार्य करना चाहिए।₹ इसके साथ ही उन्होंने सभी से अपील की कि हर नागरिक को प्रतिदिन सुबह अपने घर से पहली रोटी निकालकर गाय को जरूर खिलानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि मान्यता के अनुसार गाय की सेवा करने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है। इस गो-पूजन कार्यक्रम को पंडित रवि दीक्षित द्वारा पूरे विधि-विधान और मंत्रोचार के साथ संपन्न कराया गया। इस अवसर पर कस्बे के गणमान्य नागरिकों के अलावा नगर पंचायत से बृज किशोर मिश्रा, मानवेंद्र सिंह, शिवम राठौर, देवेंद्र कुमार, छक्कन अली और रविंद्र कुमार सहित कई अन्य कर्मचारी और स्थानीय लोग मुख्य रूप से मौजूद रहे।

यमुना नदी में डूबे युवक का तीसरे दिन मिला शव, एसडीआरएफ और पुलिस ने चलाया संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन

दीपावली पर स्नान करते समय गहरे पानी में डूबा था 22 वर्षीय अशोक कुमार, गांव में पसरा मातम

अमन लेखनी समाचार



कालपी (जालौन)। कोतवाली कालपी क्षेत्र के ग्राम नरहान के पास यमुना नदी में दीपावली के दिन स्नान करते समय डूबे 22 वर्षीय युवक का शव तीसरे दिन मंगलवार को बरामद कर लिया गया। पुलिस और एसडीआरएफ की संयुक्त टीम ने लगातार सर्च एवं रेस्क्यू अभियान चलाकर ग्राम गुड़ाखास के पास यमुना नदी के किनारे से शव को खोज निकाला। इस दौरान कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार सिंह और एसडीआरएफ टीम लीडर कामरान खान मौके पर मौजूद रहे। जानकारी के अनुसार ग्राम उरकरा कला निवासी अशोक कुमार (22) दीपावली के दिन रविवार को ग्राम नरहान स्थित यमुना नदी में स्नान करने गया था। इसी दौरान वह नहाते समय गहरे पानी में चला गया और देखते ही देखते नदी में लापता हो गया। युवक के डूबने की सूचना मिलते ही ग्रामीणों और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसकी तलाश शुरू कर दी थी। युवक की तलाश के लिए पुलिस अधीक्षक सुरेश चंद्र रावत के निर्देश पर एसडीआरएफ की टीम को लगाया गया। सोमवार और मंगलवार को पुलिस जवानों, एसडीआरएफ टीम तथा स्थानीय गोताखोरों ने यमुना नदी में सघन तलाशी अभियान चलाया। मंगलवार को तीसरे दिन काफी प्रयासों के बाद युवक का शव ग्राम गुड़ाखास के पास यमुना नदी के किनारे बरामद कर लिया गया।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस और एसडीआरएफ की संयुक्त टीम ने सर्च एवं रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर डूबे युवक का शव बरामद किया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। तीन दिनों तक युवक की तलाश चलने के बाद शव मिलने की खबर से परिजनों में कोहराम मच गया, वहीं गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

गोवर्धन पूजा पर घरों में हुई अन्नकूट की पूजा, महिलाओं ने रखा व्रत

अमन लेखनी समाचार



गोला गोकर्णनाथ, खीरी। भगवान श्रीकृष्ण द्वारा इंद्र के अहंकार को समाप्त करने और गोकुलवासियों की रक्षा के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी अंगुली पर उठाने की पौराणिक कथा से जुड़ा गोवर्धन पूजा पर्व श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया जाता है। इसी परंपरा के तहत कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को पूरे भारतवर्ष में घर-घर अन्नकूट एवं गोवर्धन पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन महिलाएं प्रातःकाल दैनिक क्रियाओं से निवृत्त होकर नए चावल के आटे, चूड़ा, खील, भुर्की, पूड़ी, पापड़ सहित विभिन्न पकवान तैयार करती हैं। इसके बाद गाय के गोबर से भगवान श्रीकृष्ण के प्रतीक स्वरूप गोवर्धन पर्वत की आकृति बनाकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है। परंपरा के अनुसार महिलाएं पूजा के दौरान मौन रहकर गोवर्धन भगवान की आराधना करती हैं और परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करती हैं। इस अवसर पर महिलाएं पूरे दिन व्रत रखती हैं तथा शाम को सूर्यास्त के समय पूजा-अर्चना के बाद व्रत का पारण करती हैं। गोवर्धन पूजा प्रकृति, गौवंश और अन्न के महत्व का संदेश देने वाला प्रमुख पर्व माना जाता है।

खेत की ओर जा रहे किसान पर सांड का हमला, अस्पताल पहुंचने पर तोड़ा दम

अमन लेखनी समाचार

संसारपुर, खीरी। थाना मैलानी की संसारपुर पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम बिलहिया मजरा संसारपुर में मंगलवार दोपहर सांड के हमले में एक किसान की मौत हो गई। घटना से गांव में शोक की लहर दौड़ गई, वहीं परिवार में चीख-पुकार मच गई। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम बिलहिया निवासी सुरेश कुमार पुत्र जोगेंद्र मंगलवार दोपहर करीब एक बजे अपने खेत की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में अचानक एक सांड ने उन पर हमला कर दिया। हमले में सुरेश गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बांकेगंज पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। सुरेश की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद परिजनों ने थाना प्रभारी को प्रार्थना पत्र देकर मामले की जानकारी दी। ग्रामीणों ने क्षेत्र में छुट्टा सांडों के हमलों को लेकर चिंता जताई है। संसारपुर चौकी प्रभारी आकाश भाटी ने बताया कि पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

दीपावली में जुआ खेलते चार लोगों पुलिस ने किया गिरफ्तार

कालपी (जालौन) स्थानीय तहसील क्षेत्र अंतर्गत एक ग्राम के सार्वजनिक स्थान में पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए आटा-इटौरा रोड पर भभुआ गांव जाने वाले तिराहे के पास दबिश दी।इस दौरान पुलिस ने धर्म स्थल के पास छिपकर ताश के पत्तों पर हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे चार लोगों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर चालान कर दिया। सूत्रों के मुताबिक आरोपी दीपावली का त्योहार मना रहे थे।तथा इसी कारण जुआ खेल रहे थे, पुलिस ने आरोपियों के पास से 52 अदद के ताश के पत्ते व तीन हजार पांच सौ रुपये जुते के फड़ से बरामद किए हैं। पुलिस द्वारा पकड़े गए चारों आरोपीगणों मुकेश कुमार उम्र करीब 40 वर्ष, शनी सिंह उम्र करीब 32 वर्ष, सुनील,नरेश कुमार को पकड़ लिया।

गिरफ्तारी की शक्ति असीमित नहीं, संविधान देता है नागरिकों को सुरक्षा- डॉ. राजेश्वर सिंह

अपने अधिकारों को जानिए, पुलिस की मनमानी के विरुद्ध जागरूक बनिए

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ । लोकतंत्र में पुलिस और जांच एजेंसियों को अपराध रोकने तथा कानून का पालन कराने का अधिकार प्राप्त है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि वे अपनी शक्तियों का मनमाना इस्तेमाल कर सकती हैं। गिरफ्तारी किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता, सम्मान और आजीविका को प्रभावित करती है। इसलिए भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 और 22 प्रत्येक नागरिक को गिरफ्तारी और हिरासत के विरुद्ध महत्वपूर्ण कानूनी संरक्षण प्रदान करते हैं।

दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज भी बड़ी संख्या में लोग अपने संवैधानिक अधिकारों से अनजान हैं। उन्हें यह जानकारी नहीं होती कि गिरफ्तारी के समय पुलिस की क्या जिम्मेदारियां हैं और गिरफ्तार व्यक्ति को कौन-कौन से अधिकार प्राप्त हैं। यही अनभिज्ञता कई बार नागरिकों को न्याय पाने से वंचित कर देती है।

वर्ष 2026 में सुप्रीम कोर्ट के महत्वपूर्ण फैसलों ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि गिरफ्तारी कानून के निर्धारित नियमों के अनुसार ही होनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट के चार महत्वपूर्ण कानूनी संदेश

1. हिरासत से 24 घंटे की गणनाः गिरफ्तार व्यक्ति को आवश्यक यात्रा समय छोड़कर 24 घंटे के भीतर मजिस्ट्रेट के सामने पेश करना अनिवार्य है। यह समय वास्तविक हिरासत शुरू होने से गिना जाएगा।

2. गिरफ्तारी के आधार लिखित देना जरूरीः गिरफ्तार व्यक्ति को यह जानने का अधिकार है कि उसे किन कारणों से गिरफ्तार किया जा रहा है। केवल मौखिक जानकारी देना पर्याप्त नहीं है।



3. पहले नोटिस, फिर गिरफ्तारीः सात वर्ष तक की सजा वाले अपराधों में इठरर की धारा 35(3) के तहत नोटिस देना सामान्य नियम है। बिना उचित और ठोस कारण गिरफ्तारी नहीं की जानी चाहिए।

4. गंभीर मामलों में भी संवैधानिक अधिकार लागूः ठऊढर जैसे गंभीर मामलों में भी गिरफ्तारी के आधार लिखित रूप में उपलब्ध कराना आवश्यक है। कानून की प्रक्रिया से कोई भी एजेंसी ऊपर नहीं है।

नागरिक अपने ये अधिकार अवश्य याद रखें

- गिरफ्तारी का कारण जानने का अधिकार।
- वकील से सलाह लेने का अधिकार।
- परिजनों को गिरफ्तारी की सूचना दिलाने का अधिकार।
- चिकित्सकीय परीक्षण और सुरक्षा का अधिकार।
- 24 घंटे के भीतर मजिस्ट्रेट के सामने पेश किए जाने का अधिकार।
- अवैध गिरफ्तारी को न्यायालय में चुनौती देने का अधिकार।

पुलिस की जवाबदेही भी जरूरी

यह समझना होगा कि संविधान पुलिस को अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई करने से नहीं रोकता, बल्कि यह सुनिश्चित करता है कि हर कार्रवाई कानून के दायरे में हो। अपराधी को सजा मिलनी चाहिए, पीड़ित को न्याय मिलना चाहिए, लेकिन किसी निर्दोष की स्वतंत्रता और सम्मान से खिलवाड़ भी नहीं होना चाहिए। लोकतंत्र में कानून का पालन केवल आम नागरिकों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि कानून लागू कराने वाली संस्थाओं का भी उतना ही दायित्व है। पुलिस की शक्ति का सम्मान तभी संभव है, जब उसका इस्तेमाल निष्पक्षता और संवैधानिक मर्यादा के साथ हो। अंततः यह याद रखना जरूरी है कि पुलिस के पास गिरफ्तारी की शक्ति है, लेकिन नागरिक के पास संविधान का संरक्षण है। अधिकारों की जानकारी ही मनमानी के विरुद्ध सबसे बड़ा हथियार है। जागरूक नागरिक ही मजबूत लोकतंत्र की पहचान है। इसलिए अपने अधिकारों को जानिए, दूसरों को जागरूक कीजिए और संविधान की गरिमा की रक्षा में अपनी भूमिका निभाइए।

ग्राम कचीर में धूमधाम से मनाई गई दीपावली, चांचर दिवारी नृत्य ने मोहा मन

श्री बजरंग बाबा मंदिर प्रांगण में हुआ भव्य आयोजन, कलाकारों ने प्रस्तुत की शानदार लोककला

अमन लेखनी समाचार



गरौठा (झांसी)। तहसील गरौठा के ग्राम कचीर में दीपावली का पर्व हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। सोमवार को श्री बजरंग बाबा मंदिर प्रांगण में विगत वर्षों की भांति पारंपरिक चांचर दिवारी नृत्य का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया और खूब तालियां बटोरीं। चांचर नृत्य में रामौतार यादव, बृजकिशोर यादव, श्रीऔतार यादव, रविंद्र यादव, सूरज यादव, मेहरवान यादव, प्रीतम यादव, दयाल यादव, भूरे यादव एवं जयराम सहित अन्य कलाकारों ने भाग लिया। वहीं रामनाथ यादव और बसंते अहिरवार ने भी अपनी कला का शानदार प्रदर्शन कर खूब वाहवाही लूटी। ढोलक पर सुकपाल यादव तथा ऑर्गन पर जयपाल सिंह ने संगत देकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामवासी एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

गन्ने के खेत में मिला पांच वर्षीय मासूम बच्ची का शव, सिर पर चोट के निशान मिलने से हत्या की आशंका

रातभर तलाश के बाद मंगलवार को बरामद हुआ शव; पुलिस, फॉरेंसिक और डॉग स्क्वायड टीम ने जुटाए साक्ष्य!

अमन लेखनी समाचार



कुकरा खीरी। कोतवाली गोला क्षेत्र के इस्लाम नगर स्थित मून ब्रिक्स ईंट भट्ठे के पास मंगलवार को पांच वर्षीय मासूम बच्ची का शव गन्ने के खेत में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। बच्ची की पहचान भट्ठे पर काम करने वाले सुलेमान की पांच वर्षीय पुत्री अल्फिशा के रूप में हुई है। मासूम की मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया, वहीं घटना को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। जानकारी के अनुसार अल्फिशा नौ नवंबर की शाम करीब चार बजे अचानक लापता हो गई थी। काफी देर तक बच्ची के घर न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। स्थानीय लोगों के साथ पुलिस भी बच्ची को खोजने में जुट गई। रातभर तलाश किए जाने के बावजूद उसका कोई पता नहीं चल सका। मंगलवार 10 नवंबर को तलाश के दौरान भट्ठे के पास स्थित गन्ने के खेत में बच्ची का शव बरामद हुआ। स्थानीय लोगों के मुताबिक बच्ची के सिर पर चोट के निशान दिखाई दिए और नाक से खून बहने की बात भी सामने आई है। शव मिलने की सूचना पर अपर पुलिस अधीक्षक, सीओ गोला और प्रभारी निरीक्षक पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण कर आसपास के लोगों से जानकारी जुटाई। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए, जबकि डॉग स्क्वायड टीम को भी जांच के लिए बुलाया गया। मासूम बच्ची की मौत किन परिस्थितियों में हुई, वह गन्ने के खेत तक कैसे पहुंची और घटना के पीछे क्या कारण है, इन सवालों के जवाब फिलहाल नहीं मिल सके हैं। सिर पर चोट के निशान मिलने से मामले की गंभीरता और बढ़ गई है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। बच्ची की मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। पांच वर्षीय मासूम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। परिजनों को घटना के खुलासे और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का इंतजार है।

मूड़ा विश्नु गांव के बाहर पेड़ से लटका मिला युवक का शव, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हैंगिंग की पुष्टि

अमन लेखनी समाचार



गोला गोकर्णनाथ, खीरी। थाना हैदराबाद क्षेत्र के मूड़ा विश्नु गांव में मंगलवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब गांव के दक्षिण दिशा में नाले के किनारे एक युवक का शव पेड़ से रस्सी के सहारे फंदे पर लटका मिला। सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की और पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। जानकारी के अनुसार मूड़ा विश्नु निवासी रमेश कुमार वर्मा (32) पुत्र सुरेश कुमार वर्मा सोमवार शाम से घर से लापता थे। परिजन उनकी तलाश में जुटे हुए थे। मंगलवार सुबह ग्रामीणों ने गांव के बाहर नाले के किनारे पेड़ से लटका उनका शव देखा, जिसके बाद परिजनों और पुलिस को सूचना दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। थाना प्रभारी निरीक्षक महेश पाठक ने बताया कि पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण हैंगिंग (फांसी से मृत्यु) बताया गया है। पुलिस मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई कर रही है। युवक की मौत से परिवार में शोक का माहौल है।

फुलझड़ी जलाते समय तेंदुए ने बच्चे पर किया हमला, रातभर तलाश के बाद गन्ने के खेत में मिला क्षत-विक्षत शव

अमन लेखनी समाचार



गोला गोकर्णनाथ खीरी। कोतवाली गोला क्षेत्र के जमुनाबाद फार्म कम्पार्टमेंट संख्या नौ में दीपावली की रात दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। घर के आंगन में फुलझड़ियां जला रहे 10 वर्षीय बच्चे को तेंदुआ उठाकर ले गया। रातभर तलाश के बाद सोमवार सुबह बच्चे का शव गन्ने के खेत में तीन टुकड़ों में मिला। इकलौते बेटे का शव देखकर मां बेहोश हो गई। घटना से गांव में मातम छा गया। जमुनाबाद निवासी लालू (40) दिहाड़ी मजदूरी करते हैं। उनका बेटा रोहित गांव के स्कूल में कक्षा पांच का छात्र था। रविवार शाम रोहित घर के सामने पटाखे और फुलझड़ियां जला रहा था। इसी दौरान गन्ना शोध केंद्र की बाउंड्री फांदकर आए तेंदुए ने उसे मुंह में दबोच लिया और गन्ने के खेतों की ओर भाग गया। परिजनों और ग्रामीणों ने रातभर टॉर्च की रोशनी में तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चला। सोमवार सुबह तलाश के दौरान गन्ने के खेत में रोहित का क्षत-विक्षत शव मिला। घटना के बाद ग्रामीणों ने वन विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए तेंदुए को पकड़ने और उचित मुआवजे की मांग की। सूचना पर सीओ गोला जितेंद्र सिंह परिहार, प्रभारी निरीक्षक अम्बर सिंह, मैलानी प्रभारी निरीक्षक रमेश चंद्र पांडेय तथा वन विभाग के रेंजर अमित कुमार सिंह सहित अधिकारी मौके पर पहुंचे। भाजपा विधायक अमन गिरि ने भी घटनास्थल पहुंचकर परिजनों को ढांढस बंधाया और तेंदुए को पकड़वाने तथा उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

एनबीडब्ल्यू वारंटी अभियुक्त को मैलानी पुलिस ने किया गिरफ्तार

संसारपुर खीरी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक खीरी डॉ. ख्याति गर्ग के निर्देशन में वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत मैलानी पुलिस ने मंगलवार को एक एनबीडब्ल्यू वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान मोहम्मद अब्दुल (42) पुत्र फिदा हुसैन निवासी ग्राम बोझिया, थाना मैलानी, जनपद खीरी के रूप में हुई है। अभियुक्त के विरुद्ध धारा 498ए, 323 भादवि एवं 3/4 डीपी एक्ट के तहत न्यायालय में मामला विचाराधीन है। न्यायालय से गैर जमानती वारंट जारी होने पर पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। क्षेत्राधिकारी गोला के पर्यवेक्षण एवं प्रभारी निरीक्षक मैलानी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार किया।

पारिवारिक कलह से तंग आकर तीन बच्चों की मां ने लगाई फांसी, मौके पर ही मौत

अमन लेखनी समाचार

लखीमपुर खीरी। जनपद के थाना फरधान क्षेत्र के ग्राम पिपरांवा में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहाँ पारिवारिक कलह और पति-पत्नी के बीच हुए मामूली विवाद से तंग आकर एक 27 वर्षीय महिला ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतका अपने पीछे तीन मासूम बच्चों को रोता-बिलखता छोड़ गई है। पिपरांवा निवासी हिमांशु की पत्नी गोल्डी (27 वर्ष) का किसी बात को लेकर पति से विवाद हो गया था। विवाद से क्षुब्ध होकर गोल्डी ने खौफनाक कदम उठाने का फैसला किया। देर रात जब बच्चे सो गए, तब गोल्डी ने कमरे के अंदर छत में लगे कुंडे से अपने दुपट्टे का फंदा बनाया और उस पर लटक गई।

मासूम बच्चों के सिर से उठा मां का साया

मृतका गोल्डी के तीन छोटे बच्चे हैं, जिनमें एक बेटा और दो जुड़वा बेटियां हैं। रात में जब बच्चे बेफिक्र होकर सो रहे थे, तब उन्हें इस बात का अंदाजा भी नहीं था कि सुबह जब उनकी आंख खुलेगी, तो उनकी मां हमेशा के लिए उन्हें छोड़कर जा चुकी होगी। मां की मौत के बाद से तीनों मासूम बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया और मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। मामले की सूचना तुरंत फरधान थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष विचित्र वीर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को फंदे से नीचे उतारा। पुलिस ने विधिक कार्रवाई करते हुए शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है। थानाध्यक्ष विचित्र वीर ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृत्यु का कारण फांसी (हैंगिंग) आया है। परिजनों की तरफ से अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है कि आखिर पति-पत्नी के बीच विवाद की मुख्य वजह क्या थी।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक–
श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक –
रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address
amanlekhaninews@gmail.com



मासूमियत सहेजने के जतन जरूरी

आए दिन बच्चों द्वारा किए जाने वाले हिंसक कृत्य, समाज और परिवार के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। अबोध-मासूम बच्चे क्रूर होकर किसी की जान पर खेल जाएं, यह तो हृदय विदारक है। सवाल यह है कि अभिभावक बच्चों को कैसा वातावरण दे रहे है, कैसी परवरिश कर रहे है कि बच्चे अपनी मासूमियत खो रहे है, असंवेदनशील हो रहे है, अमानवीय व्यवहार कर रहे हैं!

कवर स्टोरी

डॉ. मोनिका शर्मा



बीते दिनों सामने आया पंचकुला (हरियाणा) के स्कूल का एक वीडियो पूरे समाज के लिए भय को दस्तक है। अभिभावकों के लिए चिंता का सबब है। सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो में एक आठ साल का बच्चा, छह साल की बच्ची को मारता-पीटता दिखता है। निजी स्कूल की यह घटना बच्चों के हिंसक होते व्यवहार की बानगी है। मात्र आठ साल के बच्चे द्वारा अपने ही स्कूल की बच्ची को यूं क्रूरता से कुचलना-पीटना सचमुच स्तब्ध करने वाला है। तीसरी कक्षा के छात्र ने केजी में पढ़ने वाली बच्ची के बेहोश होने के बाद भी उसे घसीटना और ईंट से मारना जारी रखा। स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा के साथ ही घरों में परवरिश को लेकर कई प्रश्न उठाने वाला यह वाकया, बहुत कुछ सोचने को विवश करता है कि आखिर क्यों खो रही है बच्चों की मासूमियत?

आक्रोश के घेरे में बालमन

बच्चों का मन समझना अब एक पहेली बन गया है। हंसने-हंसाने वाली मासूमियत गुस्से, चिड़चिड़ेपन और आक्रोश के घेरे में है। बच्चों को सब कुछ मनचाहा ही सुहाता है। सहज-सी बात पर वे उखड़े से रहते हैं। भोलेपन की मनुहार जाने कहां चली गई है? बच्चों की अठखेलियां और निष्कपटता तो बड़ों के गुस्से का पाँज बटन हुआ करती थी। अब तो जरा-सी बात में गुस्सा होकर बच्चे सुसाइड और घर छोड़ने जैसा एक्सट्रीम कदम तक उठा लेते हैं। असल में देखा जाए तो सहजता और संयम अब बच्चों के बर्ताव का हिस्सा भी नहीं रहा। बदलती जीवनशैली में मासूमों का मन भी बदल गया है। फास्ट फूड के बढ़ते सेवन, एकल परिवारों में अधिकतर समय अकेले रहने और शारीरिक सक्रियता की कमी छोटी उम्र में उनके हार्मोंस में बदलाव कर रहे हैं। किसी परिवार में हद से ज्यादा देखभाल और मान-मनुहार तो कहीं व्यस्त अभिभावकों की उपेक्षा, बच्चों को संतुलित परिवेश ही नहीं मिल पा रहा। उनके मन में बहुत सी बातों-हालातों को लेकर शिकायतें हैं। सुविधाओं की अति के चलते सब्र की कमी होती जा रही है। ऐसी सभी बातें बालमन में बेवजह के आक्रोश को खाद-पानी देती हैं। वही गुस्सा कभी नेगेटिव विचारों में तो कभी अनकल्चर्ड बर्ताव में सामने आता है।

मिजाज बदलता वर्चुअल कंटेंट

आज की डिजिटल दुनिया में 'जैसा खाए अन्न, वैसा होवे मन' वाली कहावत बच्चों द्वारा कंज्यूम किए जा रहे कंटेंट पर सटीक बैठती है। हिंसा से भरे वर्चुअल गेम्स, दूसरों को परेशान-असहज करने वाले प्रैंक वीडियोज और हैरान करने वाली हरकतों को रील्स देख रहे बच्चों का मन मासूम नहीं रहा। अधिकतर बच्चे परेशान करने वाली मजाकिया शरारतों वाले कंटेंट से लेकर वॉयलेंट और वल्गर कंटेंट तक स्क्रीन पर देख रहे हैं। यही आभासी सामग्री उनके अबोध मन को गुमराह करने वाली है। समय-समय मुद्दों में मौजूद स्मार्ट स्क्रीन पर खेले जाते मार-धाड़ वाले खेल और देखे जा रहे अनफिल्टर्ड कंटेंट ने बच्चों को असंवेदनशील और निर्मम बना दिया है। बहुत से बच्चे, वर्चुअल संसार में देखी गई हिंसा एवं आक्रामकता को व्यावहारिक जीवन में नकल करते हैं। इस मामले में भी आठ साल के बच्चे के क्रूर बर्ताव की वजह ऑनलाइन एक्शन और शूटिंग वाला हिंसक गेम फ्री-फायर खेलने की आदत है। तकलीफदेह है कि स्मार्ट स्क्रीन पर घंटों ऐसे गेम खेलने वाले बच्चों को असल संसार में की गई हिंसा भी किसी वर्चुअल कंटेंट के समान ही लगने लगती है। शायद यही वजह है कि एक टास्क पूरा करने के समान यह बच्चा भी केजी में पढ़ने वाली बच्ची को लगातार मारता, पीटता और प्रताड़ना देता दिखता है। किसी भी तरह से डर से दूर रहकर बच्ची के साथ हिंसा करता है।

बड़ों को अवेयर होना होगा

बच्चों की मानसिकता को हिंसक होने से बचाने के लिए पैरेंट्स की अवेयरनेस सबसे जरूरी है। अपना समय और स्नेह देकर ही बालमन को वास्तविक जीवन से जोड़ा जा सकता है। मासूमों के मन में धीरे-धीरे जड़ें जमा रही बर्बर मेंटेलिटी से बचाने के लिए स्क्रीन में झांकने का समय घटाना सबसे अहम कदम है। साथ ही शारीरिक सक्रियता और संतुलित भोजन करने जैसे पहलुओं पर भी पैरेंट्स को बच्चों को गाइड करना होगा। बड़ों को रोल मॉडल बनकर पहले खुद स्क्रीन के संसार से बाहर निकलना होगा। घर के इन छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताने की पहल करनी होगी। गौरतलब है कि पंचकुला के केस में भी जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड द्वारा बच्चे को माता-पिता के साथ भेजते समय लाइफस्टाइल चेंज से जुड़ी बातें कही गई हैं। बोर्ड ने बच्चे को मोबाइल नहीं देने, परिवार के सदस्यों को उसके साथ अधिक समय बिताने और खेल गतिविधियों से जोड़ने की शर्त रखी है। असल में जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के सामने रखी गई क्रूरता करने वाले इस बच्चे की मैपिंग टेस्ट रिपोर्ट असामान्य पाई गई है। इलाज की सख्त जरूरत बताते हुए बच्चे को सशर्त जमानत पर पैरेंट्स को सौंपा गया है। ऐसे में इस केस से जुड़ी बातें, दूसरे अभिभावकों के लिए भी समझने योग्य है। अपने बच्चे के बदलते बर्ताव को समय रहते समझने का सबक लिए हैं। सहज समझइश से बात न बने तो विशेषज्ञ की सलाह लेने की जरूरत और जागरूकता के मायने भी समझाती हैं।

जीवनशैली ने बदला बर्ताव

हालिया घटनों में बच्चों की परवरिश से जुड़ा पूरा परिवेश ही बदल गया है जिसके चलते बालमन की प्रतिक्रिया ही नहीं एक्शन भी बदल गए हैं। बच्चे वास्तविक जीवन से अधिक जानकारियां स्क्रीन से ले रहे हैं। खेलों से जीवन के सबक सीखने के बजाय रील वीडियोज में जल्दबाजी खोजे जा रहे हैं। व्यावहारिक अभिव्यक्ति के बच्चे अकेलेपन का शिकार हैं। बच्चों का तथा समय अपने आप तक सिमटकर ही बीत रहा है। मेट्रो सिटीज में ही नहीं, कस्बों-कस्बों में भी किसी भी विषय में सही-गलत का फर्क समझाने के लिए आस-पास कोई नहीं होता। एक समय बाद समझदारी की लाइफस्टाइल में जीने के आदी हुए बच्चे कोई समझाइश सुनना भी नहीं चाहते। हरदम स्क्रीन से चिपके रहने वाले बच्चे या तो सुस्त हैं या हाइपरएक्टिव। उनकी सोच और समझ की दिशा सहज है ही नहीं। स्पष्ट दिखता है कि मौजूदा लाइफस्टाइल ने उनकी मासूमियत भरी सुध-बुध छीन ली है। अपने मन की पसंद मुताबिक स्क्रीन पर कंटेंट देखने-सुनने की आदत के कारण बच्चे उम्र अपनी भावनाओं पर नियंत्रण करना भी भूल रहे हैं। उनका कोरा मन सही-गलत के भेद से दूर हर बदलाव को जीवन का हिस्सा मान रहा है।

भाई-बहन के रिश्ते को प्रगाढ़ बनाता है भाई दूज

आज के व्यस्त और व्यावहारिक होते जा रहे जीवन में भाई-बहन जैसे प्यारे रिश्तों में भी दूरियां बढ़ने लगी हैं। ऐसे में भाई दूज जैसे पर्व, भाई-बहन के स्नेहमयी रिश्ते को प्रगाढ़ बनाने में बड़ी भूमिका निभाते हैं।

रिश्ते

अनीता जैन



भाई-बहन का रिश्ता जीवन के उन अनमोल रिश्तों में से एक है, जिसकी डोर प्रेम, विश्वास, अपनेपन और निस्वार्थ भावनाओं से बंधी होती है। समय बदलता है, जीवन की प्राथमिकताएं बदलती हैं और व्यस्तताओं के बीच अपनों के लिए वक्त निकालना भी मुश्किल हो जाता है। लेकिन कुछ रिश्तों की अहमियत कभी कम नहीं होती। भाई दूज ऐसा ही पर्व है, जो भाई-बहन के अटूट प्रेम, एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारी और साथ निभाने के संकल्प को फिर से जीवंत करता है। माथे पर तिलक और थाली में सजे दीप के साथ यह त्योहार केवल परंपरा का निर्वहन नहीं, बल्कि रिश्तों में स्नेह और विश्वास की लौ जलाए रखने का संदेश भी देता है।

पर्व से जुड़ी पौराणिक कथा: भाई दूज को यम द्वितीया भी कहा जाता है। पौराणिक कथा के अनुसार, सूर्यदेव की पुत्री यमुना अपने भाई यमराज से अत्यंत प्रेम करती थीं। यमुना बार-बार यमराज को अपने घर भोजन के लिए आमंत्रित करतीं, परंतु व्यस्तता के कारण वे नहीं जा पाते थे। अंततः एक दिन कार्तिक शुक्ल द्वितीया के दिन यमराज यमुना के घर पहुंचे। यमुना ने उनका स्वागत तिलक, आरती और आदरपूर्वक भोजन से किया। यमराज ने प्रसन्न होकर यमुना से वर मांगने को कहा। यमुना ने कहा, 'जो भी बहन इस दिन अपने भाई का तिलक करे और सच्चे मन से उसकी दीर्घायु की कामना करे, उसके भाई को कभी अकाल मृत्यु का भय न हो।' यमराज ने यह वर प्रदान किया और तभी से यह दिन भाई दूज के रूप में मनाया जाने लगा।



अपनापन बढ़ाने का पर्व: भाई दूज केवल पारिवारिक पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता का भी प्रतीक है। इस दिन बहनें अपने भाइयों को घर बुलाती हैं, उन्हें स्नेहपूर्वक भोजन कराती हैं और अपने परिवार की खुशहाली की कामना करती हैं। यह परंपरा परिवार के बीच खटास घटाने और रिश्तों में भावनात्मक जुड़ाव बढ़ाने का माध्यम बनती है। समाज में जहां आज रिश्ते, औपचारिकता तक सीमित होते जा रहे हैं, वहां भाई दूज जैसे पर्व हमें यह याद दिलाते हैं कि परिवार केवल रक्त संबंधों से नहीं, बल्कि आत्मीयता और एक-दूसरे के प्रति सम्मान से भी प्रगाढ़ होते हैं।

समानता-सम्मान का प्रतीक पर्व: भाई दूज का एक सामाजिक पहलू यह भी है कि यह आपसी रिश्तों के बीच परस्पर सम्मान का प्रतीक है। जहां बहनें, भाई के लिए शुभकामना देती हैं, वहीं भाई भी बहन की सुरक्षा, सहयोग और स्नेह का वचन देते हैं। यह संबंध किसी वर्चस्व या निर्भरता का नहीं, बल्कि समानता, आपसी प्रेम, जुड़ाव और संवेदना का प्रतीक होता है, जो प्रेमपूर्ण समाज के निर्माण के लिए आवश्यक है।

रिश्तों को जोड़ने का अवसर: आज के समय में जब काम-काज, व्यस्त दिनचर्या और भौगोलिक दूरी के कारण भाई-बहन महीनों तक एक-दूसरे से नहीं मिल पाते, भाई दूज का पर्व उन रिश्तों में नई ऊर्जा-चेतना का संचार करता है। इस तरह यह पर्व परिवार को आपस में मिलने का अवसर देता है, संवाद को पुनर्जीवित करता है और पुराने भावनात्मक संबंधों को फिर से ताजा करता है। तकनीकी युग में जब रिश्ते मोबाइल और सोशल मीडिया के संदेशों तक सीमित हो गए हैं, भाई दूज हमें व्यक्तिगत मुलाकातों की महत्ता का एहसास कराता है। स्नेह से किया गया तिलक, मुस्कान और प्रेम से साथ बिताए गए पल, यह सब मिलकर रिश्तों में ऊर्जा लौटाते हैं।

परिवार को जोड़ने वाली सीख: भाई दूज में यह व्यावहारिक संदेश भी निहित होता है कि परिवार केवल फोन पर बात करने या मैसेज भेजने से नहीं चलता, बल्कि समय देने और साथ निभाने से भी चलता है। इस पर्व के माध्यम से हम यह सीखते हैं कि चाहे हम कितने भी व्यस्त क्यों न हों, हमें अपनों के लिए थोड़ा समय अवश्य निकालना चाहिए। यही भावनात्मक निवेश हमारे जीवन को संतुलित और आनंदमय बनाता है।

आज के आधुनिक युग में नई पीढ़ी का रिश्तों के प्रति जो भावनात्मक लगाव होना चाहिए, नहीं दिखता। बच्चे अपने माता-पिता से ही रिश्तों के निर्वाह की सही सीख पाते हैं। बच्चों में रिश्तों की मजबूत नींव कैसे संभव है, जानिए।

बचपन में ही पड़ती है रिश्तों के निर्वाह की सही नींव

परवरिश

स्वोज्ञा सिंह



बच्चों की परवरिश केवल उन्हें अच्छी शिक्षा, बेहतर सुविधाएं और सफल करियर देने तक सीमित नहीं होती। उनके व्यक्तित्व की असली नींव पड़ती है- घर के माहौल, माता-पिता के व्यवहार और परिवार में होने वाले संवाद से। बच्चा अपने आस-पास के रिश्तों को जिस तरह देखता और अनुभव करता है, उसी आधार पर वह आगे चलकर रिश्तों को समझता और सीखता और निर्वाह करता है। आज इस प्रक्रिया में मोबाइल, सोशल मीडिया, फिल्में और इंटरनेट का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। बच्चे इनसे प्रभावित होकर अपने रिश्ते निभा रहे हैं।

रिश्तों में सपनों की दुनिया बनाम हकीकत: फिल्मों और सोशल मीडिया में रिश्तों की एक ऐसी चमकदार तस्वीर दिखाई जाती है, जिसमें प्रेम, दोस्ती और जीवन बेहद खूबसूरत नजर आते हैं। बच्चे और किशोर इस काल्पनिक दुनिया से प्रभावित होकर रिश्तों और जीवन से कुछ अवास्तविक अपेक्षाएं पाल लेते हैं। धीरे-धीरे उन्हें लगता है कि वास्तविक जीवन भी रिश्तों की बनावट, उनकी पसंद और कल्पना के अनुसार ही होनी चाहिए, लेकिन हकीकत अलग होती है। वास्तविक रिश्तों में मतभेद, असहमति, जिम्मेदारियां और समझौते होते हैं, जो स्वाभाविक होते हैं। जब वास्तविकता बच्चों की अपेक्षाओं से मेल नहीं खाती, तो उनके भीतर एक निराशा जन्म लेती है।

संवादों को बनाएं रिश्तों की ताकत

माता-पिता बच्चों को केवल आदेश देने या उनकी गलतियां गिनाने के बजाय धैर्य के साथ उनकी बातें भी सुनें। घर ऐसा स्थान होना चाहिए जहां बच्चा बिना डर अपनी उलझन, असहमति और असफलता साझा कर सके। बच्चों को यह समझना चाहिए कि किसी समस्या के समय माता-पिता, शिक्षक या मनोरोगी चिकित्सा से मदद मांगना कमजोरी नहीं, समझदारी है। उन्हें यह भरोसा देना जरूरी है कि जीवन में रास्ता भटकने पर उनके माता-पिता उनके साथ खड़े रहेंगे।

सिखाएं व्यावहारिकता: बच्चों को भावनात्मक रूप से मजबूत बनाने की शुरुआत किशोरावस्था से ही होनी चाहिए। उन्हें यह समझाना जरूरी है कि जीवन में केवल खुशी, सफलता और प्रेम ही नहीं होते। असफलता, गुस्सा, दुःख, अस्वीकृति, निराशा और कभी-कभी नफरत जैसी भावनाएं भी जीवन का हिस्सा बनती हैं। इमोशनल होना गलत नहीं है, लेकिन इसके आधार पर तुरंत निर्णय लेना सही नहीं होता। बच्चों को अपनी भावनाओं को पहचानना, स्वीकारना और प्रतिक्रिया देने से पहले ठहरकर सोचना सिखाना जरूरी है, ताकि वे भविष्य में अपने निर्णय सही ढंग से ले सकें।

ऐसे तैयार होगी मजबूत पीढ़ी: अच्छी परवरिश का अर्थ बच्चों को हर कठिनाई से बचा लेना नहीं, बल्कि उसे कठिन परिस्थितियों का सामना करने योग्य बनाना है। प्रेम, अनुशासन, स्वतंत्रता और संवाद के संतुलन से ही भावनात्मक रूप से मजबूत पीढ़ी तैयार हो सकती है। बचपन में बोया गया विश्वास ही आगे चलकर स्वस्थ रिश्तों की सबसे मजबूत नींव बनती है। हमें इस बात को शिद्दत से समझना चाहिए।

डाइट सजेशन

डॉ. सुगीता मुनेजा

सिलेक्शन ग्रेड रजिस्ट्रार, दिल्ली

बैलेंस्ड डाइट से कंट्रोल रहेगा ब्लड शुगर लेवल

डायबिटीज पेशेंट्स के लिए सही खान-पान बहुत जरूरी है। इसलिए अगर आप डायबिटिक पेशेंट हैं, तो अपनी डाइट में ऐसे फूड्स लेने चाहिए, जो उनकी ब्लड शुगर को कंट्रोल कर सके। **वर्ल्ड डायबिटीज डे (14 नवंबर)** के अवसर पर आपको बता रहे हैं शुगर लेवल कंट्रोल करने के लिए क्या खाए, क्या ना खाए?



आज के दौर में महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़ी एक बड़ी चुनौती डायबिटीज बनती जा रही है। बदलती जीवनशैली, अनहेल्दी खान-पान की गलत आदतें, शारीरिक गतिविधियों की कमी और बढ़ता तनाव इस समस्या को बढ़ाने वाले प्रमुख कारणों में शामिल हैं। महिलाओं में डायबिटीज का असर केवल ब्लड शुगर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह उनके हार्ट, किडनी, आंखों और हार्मोनल स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकती है। खासतौर पर प्रेग्नेंसी, मेनोपॉज और बढ़ती उम्र के दौरान महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति अधिक सतर्क रहने की जरूरत होती है।

डाइट का रखें ध्यान: डायबिटिक महिलाओं के मन में अकसर यह सवाल रहता है कि क्या खाना चाहिए और किन फूड्स से परहेज करना चाहिए? डायबिटीज में भूखे रहना या पसंदीदा खाद्य पदार्थों को पूरी तरह छोड़ देना समाधान नहीं है। जरूरत है संतुलित और पोषक तत्वों से भरपूर डाइट अपनाने की, जो ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने के साथ शरीर को जरूरी ऊर्जा भी दे। सही खान-पान और स्वस्थ आदतों से महिलाएं डायबिटीज को बेहतर तरीके से



नियंत्रित कर सकती हैं। सबसे पहले यह जानिए कि आपको अपनी डाइट में क्या शामिल करना चाहिए?

हरी-मौसमी सब्जियां: आपको अपनी डाइट में पालक, मेथी, बथुआ, लौकी, तोरई, करेला, भिंडी, पत्तागोभी, फूलगोभी और ब्रोकली जैसी सब्जियां शामिल करनी चाहिए। इनमें फाइबर और कई जरूरी पोषक तत्व होते हैं। फाइबर, पाचन को बेहतर रखने और ब्लड शुगर के नियंत्रण में मदद करता है। इनमें विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसके अलावा, हरी सब्जियां शरीर को जरूरी पोषण देने के साथ वजन नियंत्रित रखने में भी सहायक होती हैं।

साबुत अनाज: डायबिटीज से जूझ रही महिलाओं को अपने भोजन में साबुत अनाज को प्राथमिकता देनी चाहिए। गेहूं के आटे के साथ जौ, चना, रागी, ज्वार और बाजरे जैसे अनाज को भी सीमित मात्रा में डाइट का हिस्सा बनाया जा सकता है। ओट्स और दलिया भी अच्छे विकल्प हैं। इन अनाजों में फाइबर पाया जाता है, जो पाचन को दुरुस्त रखने और ब्लड शुगर के स्तर को संतुलित रखने में मदद कर सकता है।

प्रोटीनरिच फूड्स: आपको अपनी डाइट में प्रोटीनरिच फूड्स को भी जरूर लेना चाहिए। दाल, चना, राजमा, लोबिया, पनीर, टोफू और बिना चीनी वाला दही इसके अच्छे विकल्प हैं। प्रोटीन शरीर की मांसपेशियों को मजबूत रखने, कोशिकाओं की मरम्मत करने और लंबे समय तक पेट भरा महसूस कराने में मदद करता है। इससे बार-बार भूख लगने और अनावश्यक स्नैकिंग की आदत को भी नियंत्रित किया जा सकता है। खासतौर पर बढ़ती उम्र में महिलाओं के लिए प्रोटीन का पर्याप्त सेवन जरूरी होता है।

फ्रूट्स: डायबिटीज होने का मतलब यह नहीं है कि आपको फल खाना पूरी तरह बंद कर देना चाहिए। आमरूद, सेब, संतरा, नाशपाती और पपीता जैसे फल सीमित मात्रा में खाए जा सकते हैं। इनमें फाइबर, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट्स होते है, जो शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। फलों का जूस पीने के बजाय उन्हें साबुत खाना बेहतर है, क्योंकि जूस बनाने से फाइबर की मात्रा कम हो जाती है और कम समय में अधिक मात्रा में शुगर शरीर में पहुंच सकती है।

ड्राय फ्रूट्स-सीड्स: बादाम, अखरोट, अलसी, चिया सीड्स और कद्दू के बीज डायबिटिक महिलाओं के लिए अच्छे विकल्प हो सकते हैं। इनमें हेल्दी फैट, फाइबर, प्रोटीन और कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। इनका सीमित मात्रा में सेवन करने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है और अनहेल्दी स्नैक्स खाने की इच्छा कम हो सकती है।

इनसे करें परहेज: डायबिटिक महिलाओं को यह जानना भी जरूरी है कि उन्हें अपनी डाइट में किस तरह के फूड्स को अवॉयड करना चाहिए, क्योंकि कुछ खाद्य पदार्थों का सेवन बिल्कुल नहीं करना चाहिए। मिठाई, केक, पेस्ट्री, चॉकलेट, कुकीज और चीनी से बने खाद्य पदार्थों से पूरी तरह दूरी बनाएं। इसके अलावा सफेद ब्रेड, नूडल्स, पिज्जा, बिस्किट और मैदे से बनी चीजों का सेवन सीमित रखें। समोसे, कचौड़ी, पकौड़े, पूरी और चिप्स जैसी चीजों से भी दूरी बनाएं। ज्यादा नमक, मक्खन, घी और ट्रांस फैट वाले खाद्य पदार्थों का सेवन भी कम करें। इससे हृदय संबंधी जोखिम को कम करने में भी मदद मिलती है।

प्रस्तुति: निकिता चौहान

इन बातों का भी रखें ध्यान

- रोजाना अपनी क्षमता के अनुसार कम से कम 30 मिनट पैदल चलें या व्यायाम करें।
- रोजाना पर्याप्त नींद लें और तनाव को नियंत्रित रखने की कोशिश करें।
- डॉक्टर की सलाह के अनुसार नियमित रूप से ब्लड शुगर की जांच करवाएं।
- यदि इंसुलिन या शुगर कम करने वाली दवाएं ले रही हैं, तो बिना डॉक्टर की सलाह भोजन छोड़ने या डाइट में बड़ा बदलाव करने से बचें।

